विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 36 अंक 89 | कोरबा, सोमवार, दिनांक 30 दिसम्बर 2024 डाक 31 दिसम्बर 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
मोहन चरण माझी ने नयागढ़ जिले के कंडापाड़ा गांव में धान की फसल उगाने वाले किसानों से बातचीत की जिनके खेत बेमौसम बारिश से बर्बाद हो गए थे

देश-विदेश
पटना में छात्रों पर लाठीचार्ज प्रशांत किशोर समेत 21 लोगों पर एफआईआर दर्ज

फीचर
नींबू जैसा दिखने वाला नारंगी फल है कूमकूवाट इससे बनाए जा सकते हैं ये स्वादिष्ट व्यंजन

रेलवे ट्रैक पर बैठे किसान, कई सड़कें भी जाम, पंजाब बंद के ऐलान से थमी जिंदगी

खनौरी, 30 दिसंम्बर [एजेंसी]।

किसानों की मांगों को लेकर खनौरी बॉर्डर पर 34 दिनों से अनशन कर रहे जगजीत सिंह डल्लेवाल के समर्थन में सोमवार को पंजाब बंद का ऐलान किया है। किसान फसलों की MSP पर गारंटी समेत 13 मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे है। किसानों ने सुबह 7 बजे हाईवे बंद कर दिए। अमृतसर-दिल्ली और जालंधर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर किसान बैठ गए हैं। फिरोजपुर रेल मंडल के डीआरएम संजय साहू ने बताया कि किसानों ने बंद की सूचना रेलवे को दी है जिसके बाद वंदे भारत, शताब्दी एक्सप्रेस सहित 108 ट्रेनें कैंसिल कर दी गई हैं।

किसानों के बंद के ऐलान को एसजीपीसी समेत कई धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने भी समर्थन दिया है। एसजीपीसी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार को अपना अड़ियल रवैया छोड़कर किसानों की जायज मांगें प्राथमिकता के आधार पर स्वीकार करनी चाहिए। एसजीपीसी कार्यालय व उसके संस्थान सोमवार को बंद रहेंगे। लुधियाना में पंजाब बंद के तहत किसानों ने दुगरी पुल पर भी जाम लगा दिया है। पुल पर किसानों ने अपने ट्रैक्टर खड़ कर दिए हैं।

अमृतसर के गोल्डन गेट पर अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के सदस्य। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के समर्थन में आज किसानों ने पंजाब बंद का एलान किया है। पंजाब में कई जगहों पर किसान धरना दे रहे है। फाजिल्का के रेलवे स्टेशन पर किसान रेलवे ट्रैक पर बैठे हैं। राजपुरा रोड के टोल प्लाजा पर किसानों का धरना जारी है। वहीं सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। पंजाब बंद के चलते पंजाब में कई ट्रेनें कैंसिल हैं। ट्रेनों के रद्द होने से अमृतसर रेलवे स्टेशन पर कई यात्री परेशान दिखे। किसानों द्वारा पंजाब बंद के चलते पठानकोट के मुख्य बाजार बंद हैं। पहले यह बाजार सुबह 10 बजे खुल जाते थे, लेकिन पंजाब बंद के चलते अभी तक लगभग सभी बाजार बंद हैं। उधर, किसानों ने लदपालवां टोल प्लाजा, कथलौर पुल और माधोपुर में भी धरना लगाया हुआ है। जिसके चलते बस सेवा पूरी तरह से ठप है। यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। फाजिल्का के वान बाजार में स्थित एक पेट्रोल पंप के बंद होने के चलते निराश होकर वापस लौटते वाहन चालक। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के समर्थन में आज पंजाब बंद का ऐलान किया गया है। तरनतारन जिले के गांव मनन टोल प्लाजा पर सुबह 7.00 बजे किसान संघर्ष कमेटी पंजाब के नेता बलजीत सिंह बघेल सिंह वाला की अगवाई में धरना शुरू कर दिया गया। यहां पूरी तरह से यातायात ठप है। धरने में किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

अमृतसर के अजनाला क्षेत्र में हड़ताल के दौरान एंबुलेंस को रास्ता देते हुए किसान संगठन के पदाधिकारी। किसानों द्वारा पंजाब बंद के आह्वाहन के चलते अमृतसर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। मोहाली में एयरपोर्ट रोड पर किसानों ने चक्का जाम कर दिया है। किसानों की तरफ से रोड पर अपनी गाड़ियां खड़ी कर बंद किया है। इसके कारण सुबह-सुबह ट्रैफिक जाम भी हो गया है। किसानों की तरफ से एयरपोर्ट रोड पर इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजूकेशन एंड रिसर्च के पास रेलवे ब्रिज के नीचे यह रोड बंद किया है। किसान संगठनों की तरफ से आज पूरे पंजाब में बंद का ऐलान किया है। मोहाली में इसका पूरा असर देखा जा रहा है। बता दें कि आम दिनों में इस एयरपोर्ट रोड पर काफी संख्या में वाहनों की आवाजाही रहती थी। क्योंकि यह रोड पंजाब से हरियाणा और चंडीगढ़ को जोड़ने वाला रोड है।

करोड़ों तीर्थयात्रियों के लिए तैयार होंगी बेहतरीन डॉक्टर्स की टीम, मोबाइल अस्पताल भी होगा तैनात

नईदिल्ली, 30 दिसंम्बर [एजेंसी]।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार महाकुंभ 2025 को भव्य तरीके से मनाकर इससे पूरी दुनिया में बड़े संदेश देने की कोशिश कर रही है। महाकुंभ में करोड़ों तीर्थयात्रियों को स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी होने पर उनके इलाज के लिए भी पूरी व्यवस्था की गई है। महाकुंभ क्षेत्र में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य विशेषज्ञों की पूरी टीम मौजूद रहेगी जो किसी भी आपातकालीन स्थिति में लोगों को चिकित्सा सहायता देने में समर्थ होगी। महाकुंभ क्षेत्र में 23 चिकित्सालय बनाए गए हैं जो कुंभ क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में 24 घंटे कार्यरत रहेंगे। इनमें कुछ अस्पताल लोगों को प्राथमिक स्तर की चिकित्सा देंगे तो वहीं कई अस्पताल उच्च तकनीकी दक्षता से युक्त होंगे जो किसी तीर्थयात्री को हृदय और किडनी जैसी कोई समस्या होने पर आपातकालीन चिकित्सा सेवा देने में समर्थ होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि कुंभ क्षेत्र में एक सौ बेड का अस्पताल भी बनाया जा रहा है। इसमें गंभीर रोगों से पीड़ित लोगों को भर्ती करने और इलाज करने की पूरी व्यवस्था होगी। किसी भी आपातकालीन स्थिति में लोगों को सेवा देने के लिए 24 घंटे सैकड़ों डॉक्टरों की टीम कुंभ क्षेत्र में मौजूद होगी। इनके अलावा कुंभ क्षेत्र में 25-25 बेड की क्षमता वाले दो उप चिकित्सा केंद्र भी स्थापित किए गए हैं जहां लोगों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवा मिल सकेगी। कुंभ क्षेत्र में किसी भी तीर्थयात्री को स्वास्थ्य समस्या होने पर उसे आधे किलोमीटर के अंदर पूरी स्वास्थ्य सेवा मिल सके, इसके लिए बीच-बीच में छोटे-छोटे अस्पताल बनाए गए हैं। इसके लिए जगह-जगह पर स्वास्थ्यकर्मी तैनात रहेंगे। इसके अलावा प्राथमिक स्तर की सेवा के लिए हर जगह पर मेडिकल किट उपलब्ध होंगी।

इथियोपिया में भीषण हादसा

नदी में गिरा ट्रक 60 लोगों की मौत

अदीस अबाबा। अफ्रीकी देश इथियोपिया में बड़ा हादसा हुआ है। यहां यात्रियों से भरा एक ट्रक नदी में जा गिरा। हादसे में 60 लोगों की जान गई है। दक्षिणी सिदामा क्षेत्र के अधिकारियों के मुताबिक यह भीषण हादसा बोना जिले में हुआ है। क्षेत्रीय संचार ब्यूरो ने रविवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि हादसे में घायल लोगों का बोना जनरल अस्पताल में इलाज चल रहा है। सरकारी इथियोपियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन ने मुताबिक सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इथियोपिया में भीषण सड़क दुर्घटनाएं आम हैं। खराब ड्राइविंग मानक और खस्ताहाल वाहन यहां सुरक्षित यातायात के मार्ग पर सबसे बड़े बाधक हैं। करीब छह साल पहले 2018 में भी इथियोपिया में एक बड़ा हादसा हुआ था। इस हादसे में छात्रों से भरी एक बस खड्डे में जा गिरी थी, जिसमें 38 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी।

भाजपा का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक, छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर बोलीं प्रियंका

नईदिल्ली, 30 दिसंम्बर [एजेंसी]।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकाारियों पर लाठीचार्ज को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला। वायनाड से सांसद प्रियंका ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक बन गया है। दरअसल, बीपीएससी की 13 दिसंबर को हुई परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना में विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने रविवार को पानी की बौछार की और हल्का बल भी प्रयोग किया। इसके साथ ही जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी के अध्यक्ष समेत 600-700 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, बिहार में तीन दिन के अंदर दूसरी बार छात्रों पर अत्याचार किया गया। परीक्षाओं में भ्रष्टाचार, धांधली, पेपर लीक रोकना सरकार का काम है। लेकिन भ्रष्टाचार रोकने की जगह छात्रों को आवाज उठाने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कड़ाके की ठंड में युवाओं पर पानी की बौछार और लाठी चार्ज करना अमानवीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक बन गया है।

सीएम साय ने सांसद कमलेश जांगड़े को जन्मदिन की दी बधाई

रायपुर। सीएम साय ने सांसद कमलेश जांगड़े को जन्मदिन की बधाई दी। और कहा, प्रभु श्रीराम से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूँ। कमलेश जांगड़े ने स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई की है वर्ष 2002 में विधार्थी परिषद के संयोजक रहे हैं।

हाथी ने 5 घरों को तोड़ा, बस्ती में हड़कंप

रायगढ़। जिला के लैलूंगा वन परिक्षेत्र में एक हाथी लोगों के डर का कारण बना हुआ है। रात होने के बाद हाथी बस्ती तक पहुंचता है और जिन घरों में धान रखा होता है। उसे तोड़कर धान खा रहा है। पिछले करीब 6 दिनों में एक हाथी ने 5 घरों को तोड़ दिया है। धरमजयगढ़ वन मंडल के लैलूंगा वन परिक्षेत्र में 4 हाथी विचरण कर रहे हैं, लेकिन इसमें एक हाथी रात में घर तोड़ता है। वह हाथी धान खाने के लिए लोगों के घरों तक पहुंचता है।

12.51 करोड़ की हेराफेरी, एक्सिस बैंक के मैनेजर पर कसा शिकंजा

नईदिल्ली, 30 दिसंम्बर [एजेंसी]।

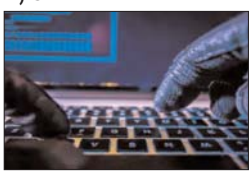

एक कंपनी से संवेदनशील डेटा चुराकर उसके खाते से कथित तौर पर 12.51 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने के मामले में एक निजी बैंक के प्रबंधक सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह मामला तब सामने आया, जब ड्रीम प्लग पे टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (सीआरईडी) के निदेशक ने नवंबर में पुलिस से संपर्क किया और कंपनी के खातों से 12.51 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप लगाया। पुलिस के मुताबिक, सीआरईडी के निदेशक ने आरोप लगाया कि कंपनी के नोडल और चालू बैंक खाते बेंगलुरु में एक्सिस बैंक की इंदिरानगर शाखा में थे और कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने इन खातों से जुड़ी ईमेल आईडी और फोन नंबर तक पहुंच हासिल कर ली थी। पुलिस के अनुसार,

जांच से पता चला कि आरोपियों ने गुजरात और राजस्थान में 17 अलग-अलग बैंक खातों में 12.51 करोड़ रुपये का हस्तांतरण करने के लिए कंपनी का डेटा चुराया, जाली सीआईबी (कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग) फॉर्म का सहारा लिया, फर्जी हस्ताक्षर किए एवं मुहर लगाई। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि निजी कंपनी के एक्सिस बैंक खाते से जुड़े फोन नंबर और ईमेल आईडी का इस्तेमाल करके आरोपियों ने जाली सीआईबी फॉर्म और फर्जी मुहर बनाईं, जिससे विभिन्न खातों में 12.51 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए गए।

दयानंद के मुताबिक, बेंगलुरु पूर्व सीईएन पुलिस ने मामले की जांच की और गुजरात में एक्सिस बैंक के प्रबंधक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया, 17 खातों में स्थानांतरित किए गए 55 लाख रुपये 'फ्रीज' कर दिए गए हैं और आरोपियों के पास से 1,28,48,500 रुपये तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मामले में कुछ अन्य आरोपी भी शामिल हैं। पुलिस उनकी पहचान करने में जुटी है।

इसरो का स्पेडएक्स मिशन आज रात 9.58 बजे श्रीहरिकोटा से होगा लांच

दिल्ली। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) स्पेडएक्स मिशन की लॉन्चिंग के लिए तैयार है। सोमवार रात 10.00 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) क लॉन्चिंग होगी। भारत इस मिशन की सफलता के बाद अमेरिका, रूस और चीन के विशेष क्लब में शामिल हो जाएगा। इन देशों के पास ही अभी बाहरी अंतरिक्ष में दो अंतरिक्ष यान या उपग्रहों को डॉक (जोड़ने) और अनडॉक (अलग) की क्षमता है। इसरो साल के अपने आखिरी मिशन के लिए पूरी तरह तैयार है। इस मिशन में अंतरिक्ष में बुलेट की स्पीड से दस गुना ज्यादा तेजी से ट्रैवल कर रहे दो स्पेसक्राफ्ट को मिलाया जाएगा, जिसे डॉकिंग कहा जाता है।

अंतरिक्ष में डॉकिंग की जरूरत तब होती है जब साझा मिशन उद्देश्यों को हासिल करने के लिए कई रॉकेट प्रक्षेपित करने की जरूरत होती है। स्पेडएक्स को आज श्रीहरिकोटा से रात 9.58 बजे पीएसएलवी-सी60 रॉकेट से लॉन्च किया जाएगा। इस मिशन की कामयाबी पर ही भारत का चंद्रयान-4 मिशन निर्भर है, जिसमें चंद्रमा की मिट्टी के सैंपल पृथ्वी पर लाए जाएंगे। इसकी कामयाबी भारतीय अंतरिक्ष केंद्र और मानव अंतरिक्ष उड़ानों के लिए अहम साबित होगी।

नए साल का जश्न मनाना शरीयत के खिलाफ, किसी को बधाई भी न दें'... ऑल इंडिया मुस्लिम जमात का फतवा

नईदिल्ली, 30 दिसंम्बर [एजेंसी]।

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने नए साल का जश्न मनाने के खिलाफ फतवा जारी किया है। मुफ्ती शहाबुद्दीन ने बताया कि नए साल का जश्न मनाना ईसाइयों का काम है। यह इस्लाम और शरीयत के खिलाफ है। फतवे में मुसलमानों से अपील की गई है कि वे इस तरह के किसी जश्न का हिस्सा न बनें। फतवे में लिखा गया है कि नए साल जश्न मनाने वाले शरीयत की नजर में मुजरिम हैं। यहां तक कि कोई मुसलमान नए साल की बधाई भी किसी को न दें। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी बरेली में चश्मे दारुल इफ्ता के हेड मुफ्ती और मुस्लिम जमात के अध्यक्ष हैं।

फतवे के मुताबिक, क्या-क्या है इस्लाम के खिलाफ - नए साल का जश्न मनाना, एक-दूसरे को बधाई देना, पटाखे फोड़ना, तालियां बजाना, शोर मचाना, सीटियां बजाना, लाइट बंद करके हुड़दंग करना, फिर लाइट जलाना, नाच-गाना करना, शराब पीना, जुआ खेलना, व्हाट्सएप, आदि से एक-दूसरे को मैसेज भेजकर मुबारकबाद देना।

डिलाईट फैशन
ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा

प्लॉट नं. 81, टीवीएस शोरूम के बगल में, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो. : 8120594099

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म, गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर, रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक, बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

अब दिल्ली के पुजारियों को हर महीने मिलेगा वेतन! केजरीवाल का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को प्रेसवार्ता की। केजरीवाल ने पुजारियों को लेकर बड़ी घोषणा की है। केजरीवाल ने ऐलान किया है कि पुजारियों को 18 हजार रुपये वेतन मिलेगा। इसके लिए कल से पंजीकरण शुरू होगा। कल केजरीवाल स्वयं हनुमान मंदिर जाकर पंजीकरण कराएंगे। आम आदमी पार्टी के जीतने पर दिल्ली में मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18,000 प्रति माह की सम्मान राशि दी जाएगी। ये योजना समाज में उनके आध्यात्मिक योगदान और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने के उनके प्रयासों का सम्मान है। केजरीवाल ने बताया कि इस योजना का नाम है पुजारी ग्रन्थी

सम्मान योजना है। इसके तहत गुरुद्वारा के ग्रन्थी को भी 18000 रुपये प्रति माह मिलेंगे। भाजपा से अनुरोध है कि पुजारियों व ग्रन्थी के पास पंजीकरण कराने के लिए पुलिस नहीं भेजें। नहीं तो बहुत पाप लगेगा। केजरीवाल ने कहा इन लोगों ने महिलाओं के लिए हो रहे पंजीकरण को रोकने की कोशिश की है। मगर पंजीकरण हो रहा है। केजरीवाल ने कहा कि कल यानी मेरे द्वारा पंजीकरण शुरू करने के बाद हमारे लोग मंदिर और गुरुद्वारा जाकर पंजीकरण कराएंगे।

कुसमुंडा मेगाप्रोजेक्ट पहुंचे सीएमडी, खनन गतिविधियों का लिया जायजा, उत्पादन बढ़ाने हर संभव प्रयास पर जोर

कोरबा। एसईसीएल सीएमडी डॉ.प्रेम सागर मिश्रा कुसमुंडा मेगाप्रोजेक्ट के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने खदान के नीलकंठ ए एवं बी पैच तथा डिपार्टमेंटल पैच में जाकर माइनिंग ऑपरेशंस का जायजा लिया व मेगा प्रोजक्ट से प्रोडक्शन की समीक्षा की। उन्होंने खदान के डिस्पैच पर चर्चा की तथा उसे और बढ़ाने पर बल दिया। सीएमडी डॉ मिश्रा ने अधिकारियों को आने वाले दिनों में विशेष रणनीति बनाकर खदान के उत्पादन में बढ़ोत्तरी लाने को लेकर निर्देश दिए।

निदेशक ने गेवरा खदान का लिया जायजा

एसईसीएल निदेशक (कार्मिक) बिरंची दास गेवरा मेगाप्रोजेक्ट के दौरे पर पहुंचे। दौरे के दौरान श्री दास ने गेवरा खदान में कोयला उत्पादन, डिस्पैच एवं ओबी गतिविधियों का निरीक्षण किया। कोर टीम से चर्चा करते हुए उन्होंने खदान की उत्पादन-उत्पादकता की समीक्षा की एवं टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निदेशक (कार्मिक) श्री दास के करकमलों से गेवरा क्षेत्र में तीन-दिवसीय कोल इंडिया अंतर कंपनी बैडमिंटन प्रतियोगिता 2024-25 का शुभारम्भ हुआ।

प्रतियोगिता प्रारंभ होने से पहले दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि निदेशक (कार्मिक) ने सभी अनुषंगी कंपनी से आए टीम मैनेजर्स व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने जेसीसी, वेलफेयर, सेफ्टी कमेटी के सदस्यों से भी मुलाकात की। इस अवसर पर गेवरा क्षेत्र महाप्रबंधक एस के मोहंती, महाप्रबंधक कल्याण आलोक कुमार एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पांचवी व आठवीं में बच्चों का प्रदर्शन अच्छा नही था उसे उसी कक्षा में रोका जाएगा

कोरबा। केंद्र सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने अब कक्षा 5 और 8 के छात्रों के लिए लागू 'नो-डिटेंशन पॉलिसी' को खत्म करने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि जो छात्र साल के अंत में होने वाली परीक्षा में फेल होंगे, उन्हें अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया जाएगा। इसके बदले, उन्हें अपने प्रदर्शन सुधारने का एक और मौका मिलेगा। उन्हें री-एग्जाम का मौका मिलेगा। इस पॉलिसी को बदलने का मकसद छात्रों की शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारना है। इस नीति का असर लाखों छात्रों और शिक्षकों पर पड़ेगा।नो डिटेंशन पॉलिसी रद्द होने के बाद अब पांचवीं के बाद स्टूडेंट्स को अपनी पढ़ाई को लेकर गंभीर बनना होगा।

डॉ संजय गुप्ता ने*इस विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि अगले क्लास की पढ़ाई जारी रखने के लिए एन्युअल एग्जाम पास करना जरूरी होगा। अगर बच्चे वार्षिक परीक्षा में फेल होते हैं, तो उन्हें अपना प्रदर्शन सुधारने का एक और मौका मिलेगा। रिजल्ट डिक्लेयर होने के दो महीने के भीतर री-एग्जाम का मौका दिया जाएगा। अगर छात्र फिर भी पास नहीं कर पाते, तो उन्हें 5वीं या 8वीं में रोक दिया जाएगा। स्कूल और टीचर यह सुनिश्चित करेंगे कि छात्रों को उन विषयों को पूरा करने में पूरी मदद मिले जिनमें वह कमजोर हैं। अब तक 18 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म कर चुके हैं। इनमें असम, बिहार, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, दादरा और नगर हवेली, और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। यह राज्य मानते हैं कि छात्रों को बिना पास किए अगले क्लास में प्रोमोट करने की वजह से छात्र पढ़ाई को गंभीरता से नहीं ले रहे थे। ऐसे में इस पॉलिसी को खत्म करना बेहद जरूरी था।

इस विषय पर और भी विस्तार से चर्चा करते हुए डॉक्टर संजय गुप्ता ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत, कक्षा 5 और 8 के छात्र अगर वार्षिक परीक्षा में फेल होते हैं, तो उन्हें प्रमोट नहीं किया जाएगा। हालांकि, छात्रों को सुधार का मौका दिया जाएगा। परीक्षा में फेल होने पर दो महीने के भीतर री-एग्जाम होगा। अगर इस री-एग्जाम में छात्र पास होता है तो उसे दूसरे क्लास में प्रोमोट करने की इजाजत दी जाएगी। अगर छात्र री-एग्जाम में भी फेल होते हैं, तो उन्हें उसी कक्षा में रोक लिया जाएगा। एन्युअल परीक्षा में पास नहीं होने पर स्टूडेंट को एक साल तक और उसी क्लास में पढ़ाई करनी होगी।नई नीति के तहत शिक्षकों और अभिभावकों दोनों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। अगर कोई छात्र फेल होता है, तो शिक्षक उसे और उसके अभिभावकों को उसकी कमजोरियों के बारे में जानकारी देंगे। साथ ही, उन्हें विशेष सलाह और सहयोग देंगे। अभिभावकों को भी अपने बच्चों को सीखाने-पढ़ाने पर ध्यान देना होगा। इससे स्टूडेंट्स को पिछड़े हुए विषयों को सीखने और अपनी खामियों को सुधारने में मदद करेगी।

डॉक्टर संजय गुप्ता ने इस बात पर भी जोर दिया कि नई शिक्षा नीति के तहत परीक्षा का फोकस केवल रटने या याद करने पर नहीं होगा। इसका मकसद छात्रों को विषयों की पूर समझ देना और विकास को प्राथमिकता देना है। छात्रों से उनके विषयों की गहरी समझ और उनके व्यावहारिक इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। परीक्षा में ऐसे सवाल शामिल होंगे, जो बच्चों की सोचने की क्षमता, प्रॉब्लम को हल करने का हुनर और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण को समझने से जुड़े होंगे।

नो-डिटेंशन पॉलिसी' को खत्म करने का संशोधन 2019 में ही तैयार हो गया था। 2019 में संशोधन के छह महीने बाद नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा कर दी गई। इस पॉलिसी में शिक्षा को लेकर कई बदलाव किए गए थे। इसके चलते इस नो डिटेंशन पॉलिसी को लागू करने में देरी हुई। इसके साथ ही कई राज्यों को इस नीति को अपनाने और लागू करने में समय लगा। इसके लिए राज्यों को शिक्षकों की ट्रेनिंग, संसाधनों की तैयारी और परीक्षा प्रणाली में बदलाव करने की जरूरत थी।2020 में आई कोविड-19 महामारी की वजह से भी इसे लागू करने में देरी हुई। डॉक्टर संजय गुप्ता ने बताया कि नो-डिटेंशन पॉलिसी ' को खत्म करने का मकसद छात्रों को रटने के बजाय समझने पर जोर देना है। वार्षिक परीक्षा और री-एग्जाम का मकसद छात्रों की समग्र शिक्षा को बेहतर बनाना है। सरकार चाहती है कि छात्र केवल प्रमोट होने के लिए न पढ़ें, बल्कि सीखने पर ध्यान दें। यह बदलाव शिक्षा प्रणाली को सुधारने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

कैलाश गुफा के सामने कूप कटाई के नाम पर पेड़ों की कटाई मामले में महिलाओं ने घेरा रेंज कार्यालय

कोरबा । कोरबा वनमंडल वन परिक्षेत्र पसरखेत अंतर्गत कोलगा में आदिवासियों एवं क्षेत्र का आध्यात्मिक केंद्र कैलाश गुफा स्थित है। यहां ग्रामीण एक भी पेड़ को काटने नहीं देते और ना ही काटते हैं।

जानकारी के अनुसार कई दिन से महिलाएं को यहां पेड़ों की सुरक्षा के लिए गश्त करते देखा जा रहा हैं और यहां कूप कटाई के नाम पर पेड़ों की कटाई का विरोध कर रहे हैं। विरोध करने के बाद भी यहां कूप कटाई के नाम पर पेड़ों की भी कटाई हो रही है और इस कटाई को महिलाएं कई दिन से विरोध कर रही हैं।

अधिकारियों द्वारा मनमानी न रोकने का आरोप लगा महिलाएं पसरखेत रेंज कार्यालय के सामने धरने पर गयी।

बताया जा रहा हैं की कोरबा जिले के कोलगा कैलाश गुफा मार्ग स्थित जंगल में किए जा रहे कूप कटिंग काम को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। काम बंद कराने के बाद ग्रामीणों ने वन परिक्षेत्र अधिकारी का घेराव कर दिया। कोरबा वनमंडल के वन परिक्षेत्र पसरखेत में गत दिनों सलेक्शन कम इम्प्रुवमेंट (एसीआई) के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित था।

कार्यक्रम में सीसीएफ प्रभात मिश्रा और डीएफओ अरविंद पीएम सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे। उनकी मौजूदगी में मौके पर पहुंचे कोलगा के ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर विरोध जता दिया था। इस दौरान ग्रामीणों ने जंगल को कोलगा समिति का बताते हुए कूप कटिंग पर रोक लगाने की मांग करी थी। ग्रामीणों के विरोध के बाद बातचीत का दौर चलता रहा।

कूप कटाई के नाम पर पेड़ों की कर रहे थे कटाई

इसके बाद भी बात नहीं बनी। वन विभाग ने सप्ताह भर पहले कैलाश गुफा मार्ग स्थित जंगल में कूप कटिंग का काम शुरू करा दिया था। इसके लिए पसरखेत के मजदूर लगाए गए थे, जो कुल्हाड़ी सहित अन्य औजार की मदद से पेड़ की कटाई कर रहे थे। जिसकी भनक कोलगा के ग्रामीणों को लग गई। ग्रामीण पेड़ कटाई के विरोध में लामबंद हो गए। महिला समिति के सदस्य भारी संख्या में एकत्रित हुई।

वे लाठी, डंडे से लैस होकर मौके पर जा पहुंचे। महिलाओं ने पेड़ कटाई का विरोध शुरू कर काम बंद करा दिया था। ग्रामीणों ने पसरखेत रेंज आफिस का घेराव कर प्रदर्शन किया।

एक भी पेड़ नहीं कटने देंगे-ग्रामीण महिलाएं

कोलगा की महिलाओं ने इकट्ठा होकर कहा कि कैलाश गुफा हमारा आध्यात्मिक केंद्र है और यहां हर एक पेड़ देवता के समान हैं और हम एक भी पेड़ कटने नहीं देंगे। यह हमारा जंगल है हम इसके प्रहरी। कूप कटाई के नाम पर अधिकारी मनमानी कर रहे हैं।

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने कलेक्टर पर लगाए गंभीर आरोप

कोरबा । प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा हैं कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में डीएमएफ में 10 हजार करोड़ से अधिक का घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा हैं की सर्वाधिक डीएमएफ वाले कोरबा और दंतेवाड़ा में सीएसआर मद में भी बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है।

श्री कंवर ने मौजूदा कलेक्टर पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। श्री कंवर ने एक पत्रकारवार्ता में कहा कि प्रदेश में डीएमएफ के मद की कार्यों में बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि जब से डीएमएफ की शुरूआत हुई है, तब से अब तक कोरबा-दंतेवाड़ा और प्रदेश के सभी जिलों के कार्यों की जांच सीबीआई-ईडी के जरिए कराने के लिए पूर्व में भी मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। इसके बाद जांच-पड़ताल और कार्यवाही भी हुई है। उन्होंने कोरबा में ताजा भ्रष्टाचार के प्रकरण की जानकारी देते हुए कहा हैं की सोनालिया पुल में अण्डरब्रीज का कार्य चल रहा है। यह काम डीएमएफ मद से कराया जा रहा है जबकि नियमानुसार डीएमएफ से यह काम नहीं हो सकता। श्री कंवर ने मौजूदा कलेक्टर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार करने के लिए ही डीएमएफ मद से काम कराया गया है। उन्होंने पूर्ववर्ती कलेक्टर पर भी आरोप लगाते हुए कहा हैं कि पद का दुरूपयोग कर कई सौ करोड़ का घोटाला किया गया। श्री कंवर ने बताया कि कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार करने के लिए अपने मनमर्जी से कार्य स्वीकृत कर सामग्री सप्लाई, प्रशिक्षण, स्ट्रीट लाईट, महिला समितियों को प्राप्त सामग्री, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, उद्यान विभाग में स्तरहीन निर्माण और स्तरहीन सप्लाई बाजार दर से अधिक दर पर कार्य किया गया है। यह करीब 5 सौ करोड़ से अधिक का भ्रष्टाचार है। इसकी शिकायत भी की गई है।

नहीं हो पाई नहर की मरम्मत, 1 जनवरी से रबी फसल के लिए छोड़ा जाएगा पानी

कोरबा । कोरबा जिले में इस बार भी टूटे-फूटे नहरों से ही किसानों को अपने खेतों तक पानी पहुंचाना होगा। रबी फसल के लिए दाई तट नहर से 1 जनवरी तो बांयी तट नहर के लिए 5 जनवरी से नहरों में पानी छोड़ दिया जाएगा। इधर अब तक नहरों की मरम्मत नहीं हो पाई है। सिंचाई विभाग इस बार भी नहरों की मरम्मत समय में नहीं करा पाया। इसका खामियाजा किसानों को फिर भुगतना पड़ेगा। अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने में किसानों को फिर परेशानी होगी। गौरतलब है कि जांजगीर-चांपा और सक्ती जिले में नहरों की स्थिति जर्जर हो चुकी है लेकिन वार्षिक मरम्मत नहीं हुई है जबकि जिम्मेदारों को पता था कि रबी फसल के लिए जनवरी से पानी दिया जाना है। खरीफ फसल तैयार हो जाने के बाद नहर की धार बंद थी। इस दौरान जर्जर नहरों की मरम्मत कराया जा सकता था। इधर जल उपयोगिता समिति की बैठक में नहरों से पानी छोडने के लिए तिथि भी तय हो गई। जांजगीर-चांपा जिले के किसानों केलिए बांयी तट नहर से 5 जनवरी को पानी छोड़ा जाएगा और वहीं सक्ती जिले के किसानों के लिए दांयी तट नहर से 1 जनवरी से पानी की धार छूटेगी। जांजगीर के बीटीआईचौक नहर से लेकर पेंड्री सुकली के बीच 5 किमी की दूरी तक नहर के जर्जर स्थिति का नजारा देखा जा सकता है।

मंत्री देवांगन की पहल पर तीन वार्डों के विकास के लिए एक करोड़ की स्वीकृति

*** वार्ड क्रमांक 30, 53 और 16 में होंगे 8 विकास कार्य**

*** रोड और नाली निर्माण की बड़ी समस्या से मिलेगी निजात**

कोरबा । प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के प्रयासों से कोरबा शहर के तीन वार्ड क्रमांक 30, 53 और 16 के कुल 8 विकास कार्यों के लिए एक करोड़ की स्वीकृति मिली है।

कोरबा शहर के विकास कार्यों के लिए नगर विधायक सह वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन द्वारा बीते एक साल में 300 करोड़ की स्वीकृति दिलाई जा चुकी है। यही वजह है कि शहर के विकास कार्यों में तेज़ी आई है। लगातार भूमिपूजन कर कार्यों की आधारशिला रखी जा रही है। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने वार्ड क्रमांक 30 मानिकपुर और वार्ड क्रमांक 53 के विभिन्न स्थानों पर सड़क और नाली निर्माण के लिए मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत प्रस्ताव भेजा था। शनिवार को इसकी स्वीकृति आदेश भी जारी हो गए।

हर मद के कार्य हो रहे प्रारंभ

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन के प्रयासों से सभी मद से विकास कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। अधोसंरचना मद से कुल 77 कार्य, 14 वित से 27 कार्य, जिला खनिज न्यास से 153 कार्य, मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद से 7, प्रभारी मंत्री मद से 15, विधायक मद से 25, सीएसआर से 9 कार्य प्रारम्भ हो चुके हैं। इसके अलावा आरईएस के माध्यम से भी कार्य शुरू हो चुके हैं।

इन कार्यों को मिली स्वीकृति

वार्ड क्रमांक 30 अंतर्गत मीना लहरे गली में सीसी रोड एवं नाली निर्माण लागत 26 लाख, सुरेश चौरसिया के घर से मंदिर के पीछे गली में सीसी रोड, नाली निर्माण, लागत 18.70 लाख, सत्यम शुक्ला घर के आगे आरसीसी रोड एवं नाली निर्माण 10.30 लाख। वार्ड क्रमांक 53 श्रम नगर डॉ. कश्यप घर से भूषण मेहर घर तक आरसीसी रोड एवं नाली निर्माण लागत 11.50 लाख, योगेश बरेठ से रमेश नवरंग घर तक आरसीसी रोड एवं नाली निर्माण 11.80 लाख, तारंग घर से प्रभु सतनामी घर तक 9.50 लाख, पप्पू घर से प्रजापति घर तक आरसीसी रोड एवं नाली निर्माण लागत 7.20 लाख, वार्ड क्रमांक 16 में मंच निर्माण 5 लाख की लागत की स्वीकृति मिली है।

नगरीय निकायों और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव अंतर्गत मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का मिल रहा अवसर

कोरबा । नगरीय निकायों और त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2024-25 में मतदाता बनाने के लिए कार्यक्रमों में संशोधन किया गया है। नगरपालिकाओं और त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन के लिए लोगों को मतदाता बनने का एक और अवसर प्राप्त हो गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। नगरीय निकायों और त्रि-स्तरीय पंचायतों के मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी 2025 को की जाएगी।

छत्तीसगढ राज्य निर्वाचन आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरीय निकायों और पंचायतों के मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 31 दिसंबर को किया जाएगा। निर्वाचक नामावली उपलब्ध कराना, दावे/आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तारीख 06 जनवरी 2025 सोमवार 3 बजे तक दावे/आपत्तियों का निपटारा 09 जनवरी 2025 किया जाएगा।

नगरीय निकायों और पंचायतों के मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी तय की गई है। ऐसे युवा मतदाता जिन्होंने 1 जनवरी 2025 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो, वह भी मतदाता बनने के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन जमा कर सकेंगे। इस तरह नई मतदाता सूची तैयार होने के बाद ही नगरीय निकाय के चुनाव होंगे। नगरपालिकाओं और त्रि-स्तरीय पंचायतों के लिए निर्वाचक नामावली प्रारूप क-1 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक रजिष्ट्रीकरण अधिकारी का दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 10 जनवरी 2025 तक और प्रारूप क-1 में प्राप्त आवेदनों का निराकरण की अंतिम तिथि 11 जनवरी 2025 निधारित की गई है। नगरीय निकायों और त्रि-स्तरीय पंचायतों के मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी 2025 को की जाएगी।

सरकारी राशन की चोरी करने वालो को ग्रामीणों ने रातभर जाग कर पकड़ा

कोरबा । जिला के पाली विकासखण्ड में ग्राम पंचायत अलगीडांड के पंचायत भवन में रखे सरकारी राशन के चावल की चोरी की गई। बताया जा रहा हैं की शातिर चोरों को ग्रामीणों ने रतजगा कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले किया। पिछले कई दिनों से पंचायत भवन का ताला तोडक़र सरकारी चावल व चना की चोरी हो रही थी। गांव वाले इससे परेशान थे। तब सरपंच ने ग्रामीणों के साथ पाली पुलिस से इसकी शिकायत भी की थी। गांव वाले अपने स्तर पर शातिर चोर को पकडने में लगे थे। इस बीच फिर चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा था। तब ग्रामीणों द्वारा चोरों को रात्रि लगभग 2.30 बजे पकड़ लिया गया। जानकारी के अनुसार पंचायत भवन में ये चोर खिडकी को तोड अंदर घुसकर चांवल निकालकर स्कूटी और बाईक में लाद कर पाली ला रहे थे। इसकी भनक लगते ही अर्ध रात्रि ग्राम वालों ने मोबाइल फोन के माध्यम एक-दूसरे को सूचित करते हुए घेराबंदी कर और चोरों को स्कूटी और बाईक में चांवल की बोरी लादकर ले जाते रंगे हाथ पकड़ लिया।

इसकी सूचना ग्रामीणों ने डायल 112 और पुलिस को दी। अब पुलिस जांच कर रही है। ये चोर चावल खुद उपयोग करते थे या किसी व्यक्ति, दुकानदार को बेचते थे, इसकी पड़ताल करके उन पर भी कार्यवाही हो सकती है।

बाईक गिरी गहरी खाई में,दो मृत

कोरबा । जिले के वनांचल लेमरू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कनसरा-देवपहरी के पास दर्दनाक हादसा हो गया। सड़क हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल है।बताया जा रहा है कि गुरुवार देर शाम को ये तीनों युवक एक बाइक में सवार होकर देवपहरी से अपने गृहग्राम बंजारीडांड की ओर जा रहे थे।रास्ते में मोड़ पर इनका नियंत्रण बाइक की रफ्तार तेज होने के कारण हो नहीं सका और तीनों बाइक सहित गहरी खाई में जा गिरे। एएसआई भीम यादव ने बताया कि घटना की सूचना बाद पुलिस की मौके पर पहुंची और मृतक अमृत गोंड 20 वर्ष और राजेश गोंड 19 वर्ष निवासी बंजारीडांड के रहने वाले थे। इनका साथी भूलेश्वर गंभीर रूप से घायल है।घायल को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया साथ ही तीनों के परिजनों को घटना की सूचना दी गई। परिजन दौड़े-भागे अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम उपरांत परिजनों के सुपुर्द किए। घटना के बाद से परिजनों सहित ग्रामवासियों में शोक व्याप्त है।

देवपहरी के पास हादसा,दो दोस्तो की

कोरबा । जिले के वनांचल लेमरू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कनसरा-देवपहरी के पास दर्दनाक हादसा हो गया। सड़क हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि गुरुवार देर शाम को ये तीनों युवक एक बाइक में सवार होकर देवपहरी से अपने गृहग्राम बंजारीडांड की ओर जा रहे थे। रास्ते में मोड़ पर इनका नियंत्रण बाइक की रफ्तार तेज होने के कारण हो नहीं सका और तीनों बाइक सहित गहरी खाई में जा गिरे। एएसआई भीम यादव ने बताया कि घटना की सूचना बाद पुलिस की मौके पर पहुंची और मृतक अमृत गोंड 20 वर्ष और राजेश गोंड 19 वर्ष निवासी बंजारीडांड के रहने वाले थे। इनका साथी भूलेश्वर गंभीर रूप से घायल है। घायल को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया साथ ही तीनों के परिजनों को घटना की सूचना दी गई। परिजन दौड़े-भागे अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम उपरांत परिजनों के सुपुर्द किए। घटना के बाद से परिजनों सहित ग्रामवासियों में शोक व्याप्त है।

देवरी में डूबे दूसरे युवक का शव 18 घंटे बाद बरामद

कोरबा। एसडीआरएफ की टीम को 18 घंटे के बाद दूसरे युवक की भी लाश मिल गई। कोरबा से दो परिवार पिकनिक मनाने देवरी पहुंचे थे। नहाते समय दो युवक हसदेव नदी में बह गए थे। एक युवक का शव मिल गया था। दूसरे युवक की तलाश की जा रही थी। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया। ज्ञात हो कि कोरबा जिला के दीपका निवासी अश्वनी सिंह पिता लवकुश सिंह (24) व पड़ोसी सुमीत सिंह पिता जयचंद सिंग (18) शुक्रवार को पिकनिक मनाने के लिए बलौदा ब्लॉक के देवरी आए थे। स्नान करने के लिए नदी की ओर गए। इनमें अश्वनी सिंह व सुमीत दोनों गहरे पानी में बह गए।

रोजगार और जमीन वापसी की मांग को लेकर खदान बंद करेंगे विस्थापित

कोरबा। एसईसीएल के कुसमुंडा,गेवरा,दीपका क्षेत्र के प्रभावित गांव के भू विस्थापितों ने छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू विस्थापित संगठन के नेतृत्व में लंबित रोजगार प्रकरणों का तत्काल निराकरण,खमहरिया की जमीन किसानो को वापस करने एवं बसावट गांव में मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने की मांग को लेकर 1 जनवरी को कुसमुंडा खदान बंद हड़ताल करने की घोषणा की है।

उल्लेखनीय है कि 23 दिसंबर को बिलासपुर मुख्यालय के सामने भू विस्थापितों द्वारा अर्द्धनग्न घेराव प्रदर्शन करते हुए सभी खातेदारों को रोजगार देने के साथ पूर्व में अधिग्रहित जमीन किसानो को वापस करने की मांग की थी एसईसीएल मुख्यालय के सामने प्रदर्शन करने के बाद कार्मिक निर्देशक बिलासपुर मुख्यालय की अध्यक्षता में बैठक कर समस्याओं का समाधान का लिखित आश्वासन दिया गया था जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। लेकिन भू विस्थापितों की समस्याओं के संबंध में हुए बैठक में भू विस्थापितों की समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीरता से पहलकदमी बिलासपुर मुख्यालय के अधिकारियों ने नहीं की फिर 1 जनवरी को होने वाले खदान बंद हड़ताल को टालने के लिए गुमराह करने की बात करते रहे जिसके बाद भू विस्थापितों की बातों को गंभीरता से नहीं सुनने पर किसान सभा और भू विस्थापितों ने बैठक का बहिष्कार करते हुए नए साल के पहले दिन 1 जनवरी को कुसमुंडा खदान बंद हड़ताल की घोषणा की है।

किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने अधिकारियों से साफ कहा की सभी भू विस्थापित किसानों जिनकी जमीन एसईसीएल ने अधिग्रहण किया है उन सभी खाते पर भू विस्थापितों को स्थाई रोजगार एसईसीएल को देना होगा। हर साल एक नौकरी देकर गुमराह करना बंद करे प्रबंधन नए साल के पहले दिन कुसमुंडा से एक भी कोयला बाहर निकलने नहीं देंगे।विकास परियोजना के नाम पर गरीबों को सपने दिखा कर करोड़ों लोगों को विस्थापित किया गया है अपने पुनर्वास और रोजगार के लिये भू विस्थापित परिवार आज भी भटक रहे हैं। विकास के नाम पर अपनी गांव और जमीन से बेदखल कर दीये गए विस्थापित परिवारों की जीवन स्तर सुधरने के बजाय और भी बदतर हो गई है। कोरबा जिले की विकास की जो नींव रखी गई है उसमें प्रभावित परिवारों की अनदेखी की गई है। लगातार संघर्ष के बाद खानापूर्ति के नाम पर कुछ लोगों को रोजगार और बसावट दिया गया जमीन किसानों का स्थाई रोजगार का जरिया होता है। सरकार ने जमीन लेकर किसानों की जिंदगी के एक हिस्सा को छीन लिया है। इसलिए जमीन के बदले सभी खातेदारों को स्थाई रोजगार देना होगा।भू विस्थापित किसानों के पास अब संघर्ष के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा है। सरकार की कॉरपोरेटपरस्त नीतियां गरीबों की आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों को उनसे छीन रही है।यही कारण है कि कुछ लोग मालामाल हो रहे है और अधिकांश जिंदा रहने की लड़ाई लड़ रहे हैं। किसान सभा के नेता सुमेंद्र सिंह कंवर ने कहा कि पुराने लंबित रोजगार को लेकर एसईसीएल गंभीर नहीं है। खमहरिया के किसान जिस जमीन पर कई पीढ़ियों से खेती किसानी कर रहे है उसे प्रबंधन प्रशासन का सहारा लेकर किसानों से जबरन छीनना चाह रही है जिसका किसान सभा विरोध करती है और उन जमीनों को किसानों को वापस करने की मांग करती है। भू विस्थापित रोजगार एकता संघ के नेता दामोदर श्याम,रेशम यादव ने कहा कि 1978 से लेकर 2004 के मध्य कोयला खनन के लिए जमीन को अधिग्रहित किया गया है लेकिन तब से अब तक विस्थापित ग्रामीणों को न रोजगार दिया गया है न पुनर्वास ऐसे प्रभावितों की संख्या सैकड़ों में है। प्रत्येक खातेदार को रोजगार दिया जाए नहीं तो नए साल में संघर्ष और तेज होगा। भू विस्थापित नेताओं ने कहा कि भू विस्थापितों को बिना किसी शर्त के जमीन के बदले रोजगार देना होगा और वे अपने इस अधिकार के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे ।गरीबों के पास संघर्ष के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। हड़ताल को सफल बनाने के लिए गांव गांव में बैठक आयोजित कर पर्चे वितरण कर हड़ताल को सफल बनाने की अपील की जा रही है जिसमे प्रमुख रूप से दामोदर श्याम,रेशम यादव, सुमेंद्र सिंह कंवर,जय कौशिक,दीनानाथ,पवन यादव, अनिरुद्ध, अनिल बिंझवार,रघुनंदन,कृष्ण कुमार, होरीलाल, डूमन,उमेश, उत्तम,गणेश, मानिक दास, विष्णु, मुनीराम, के साथ बड़ी संख्या में भू विस्थापित शामिल हो रहे है।किसान सभा और भू विस्थापित संगठन ने घोषणा की है कि भू विस्थापितों की समस्याओं को लेकर 1 जनवरी 2025 को जब पूरी दुनिया नए साल का जस्न बनाएगा तब भू विस्थापित कुसमुंडा खदान बंद करते हुए विस्थापन के बाद अपनी दुर्दशा को बताने के लिए उग्र आंदोलन करेंगे।

खेल के आयोजन से खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का मिलता है अवसर: बालेश्वर साहू

जांजगीर चांपा। जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत घिवरा के ज्योति स्टेडियम में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में जैजैपुर विधायक साहू शामिल हुए। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और ग्रामीणों की मांग पर स्टेडियम के पास छतदार चबूतरा बनवाने की घोषणा किए। इसके साथ ही क्रिकेट खिलाड़ियों को क्रिकेट खेलते देख विधायक बालेश्वर साहू अपने आप को रोक नहीं पाए। खुद ही मैदान पर बैटिंग करने उतरे गए। विधायक का खिलाड़ियों के प्रति अपनापन देख ग्रामीण खुशी से गद-गद हो गए। इस दौरान जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू ने कहा कि ऐसे आयोजन से खेल खिलाड़ियों के अंदर छुपी प्रतिभा निखर कर सामने आती है। खिलाड़ियों को एक बेहतर मंच मिलता है और खिलाड़ियों को अपना प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। आयोजक टीम इसके लिए बधाई के पात्र है। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज गुप्ता, चिंतामण कश्यप , द्वासराम कश्यप, कृष्णा कश्यप, रामभरोस साहू, डाकेश्वर श्रीवास भूपेंद्र कश्यप आदि के अलावा ग्रामीण एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री करेंगे अथरिया कुर्मी समाज के भवन का लोकार्पण

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय जांजगीर में निर्मित छ.ग. प्रदेश अथरिया कुर्मी समाज के भवन का लोकार्पण प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा 4 जनवरी को किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जांजगीर-चांपा के विधायक व्यास कश्यप ने बताया कि भूपेश बघेल जब मुख्यमंत्री थे तब उन्होने जांजगीर-चांपा जिले के अथरिया कुर्मी समाज के भवन के लिए राशि प्रदान की थी। अथरिया कुर्मी समाज के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर कश्यप ने बताया कि 4 जनवरी शनिवार के दिन दोपहर 1 बजे से लोकार्पण का कार्यक्रम रखा गया है। अकलतरा रोड जांजगीर में हरियाली हेरिटेज के सामने अथरिया कुर्मी समाज का भवन निर्मित है।

उन्होने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूपेश बघेल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छ.ग. विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत करेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप, अकलतरा विधायक राघवेन्द्र सिंह, पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरबंश, जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, नगरपालिका जांजगीर-नैला के अध्यक्ष भगवान दास गढ़वाल होंगे। कार्यक्रम के विशेष अतिथि अथरिया कुर्मी समाज के महानिरीक्षक विसुन कश्यप, समाज के उप कौशिक, महानिरिक्षक देवीलाल संरक्षक सहसराम कौशिक, समाज के अध्यक्ष चंद्रशेखर कश्यप, सचिव, फूलचंद कश्यप, कोषाध्यक्ष रामकिशुन कश्यप, तथा अथरिया कुर्मी समाज के समस्त केंद्राध्यक्ष होंगे। कार्यक्रम की तैयारी में अथरिया कुर्मी समाज के सदस्य जुटे हुए है।

हॉकी टूर्नामेंट में जांजगीर बना विजेता

जांजगीर। नगर के मेजर ध्यानचंद हॉकी मैदान में आयोजित 7 ए साइड हॉकी प्रतियोगिता में 7 स्टार जांजगीर की टीम विजयी रही, जबकि दूसरे स्थान पर जांजगीर चैलेंजर व तीसरे स्थान पर जांजगीर पैंथर की टीम ने स्थान बनाया। बालिका टीम में दूसरे स्थान पर जांजगीर लांसर और तीसरी स्थान पर जांजगीर क्रीन की टीम विजेता रही। प्रतियोगिता के अंतिम दिन अतिथियों ने विजयी प्रतिभागियों को शील्ड देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विधायक व्यास कश्यप ने कहा कि जांजगीर चांपा जिले के खिलाड़ियों ने विगत 10 वर्षों में 300 राष्ट्रीय स्तर पर व 700 राज्य स्तर पर हॉकी खेल में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं यह हम सबके लिए गौरव की बात है इनसे खिलाड़ियों की प्रतिभा का विकास करना व उनका सुविधा दिलाना हमारा कर्तव्य है। नगर पालिका जांजगीर नैला के उपाध्यक्ष आशुतोष गोस्वामी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से खेल व खिलाड़ियों का विकास होता है शहर में इस प्रकार का आयोजन शहर को गौरवांवित करता है हम सब हॉकी खेल के विकास के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे उन्होंने हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम का संचालन गुलाबधर दीवान ने व आभार प्रदर्शन इस प्रतियोगिता के प्रभारी जिला हॉकी संघ के उपाध्यक्ष अजीत गढ़वाल ने किया। अतिथियों ने सर्वश्रेष्ठ खेल प्रदर्शन के लिए उमाशंकर चंद्रैल, पुष्पेंद्र गढ़वाल, सोमदेव कुमरे, राज कटकवार, पप्पू साथी, रविन्द्र टंडन, आयुष भास्कर, चंदन आगरे, प्रदीप करियारे, सूर्यदेव, छबिलाल, अक्षय को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष गोपेश्वर कहरा, संयोजक राजीव ठाकुर, सचिव राकेश गढ़वाल, देवा गढ़वाल, चंद्रजीत सोनवान, सुमित सोनवान, अमित यादव, अमित परमहंस, अमित कहरा, रवि कहरा सहित बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित थे।

विधायक राघवेंद्र ने कार्यकर्ताओं के साथ सादगी पूर्ण मनाया जन्मदिन

अकलतरा। विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह के द्वारा अपना जन्मदिन कार्यकर्ताओं के बीच सादगी पूर्ण मनाया गया। समर्थको द्वारा एक सप्ताह से जन्मदिन ऐतिहासिक रुप से मनाने की तैयारी की जा रही थी किन्तु पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण राघवेन्द्र कुमार सिंह के द्वारा किसी तरह का तामझाम नहीं करने का निर्देश दिया। जिससे सभी सार्वजनिक आयोजन निरस्त कर दिया गया।

इस मौके पर डॉ. राकेश कुमार सिंह कांम्प्लेक्स में कार्यकर्ताओं द्वारा जरुरतमंदो को राशन सामग्री वितरीत की गई। अपने जन्मदिन पर विधायक

राघवेन्द्र सिंह माता श्रीमती शुभा सिंह, पत्नी श्रीमती पल्लवी सिंह, पुत्री शिवान्जली एवं मृगाका के साथ ग्राम बरगवां स्थित सिद्ध बजरंगबली मंदिर पहुंचे एवं पूजा अर्चना कर क्षेत्र वासियों के खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई। उनके जन्म दिवस के अवसर पर राजेश अग्रवाल, पंकज शुक्ला चांपा, शिशिर द्विवेदी, रमेश पैगगवार , मोहम्मद इमरान खान, भविष्य चंद्राकर, संतोष सिंह बैस, धनराज सिंह चौहान, सौरभ सिंह बाबा, अमित सिंह बैस शैलेंद्र बहादुर सिंह, सुरेंद्र बहादुर सिंह, हर्षवर्धन सिंह, गगन गुरुद्वान, संतोष यादव, सुंदर पटेल, प्रकाश डहके, महेश्वर टंडन, गौरव सिंह, ध्रुव बरेठ, राजेश नायक, चमन् लाल धीवर, पीयूष प्रताप सिंह, राजेश जैन, दिनेश मिरी, प्रतिपाल सिंह, संतोष यादव, इरशाद बाबा, कन्हैया राठौर, राजेश जायसवाल, डेला राम कैवर्त, अजय शशि जगत, द्वारिका सार्व , मनोज यादव, जवाहर दुबे मनोज, अग्रवाल रामगोपाल कौशिक, रामगोपाल रात्रे, संजय सिंह, घनश्याम लाटा, रविंद्र सिंह बैस, गोविंद देवांगन, राजा कश्यप, अर्जुन नेताम, राम कुमारी कंवर, नवल किशोर सिंह एवं व्यापारी संघ, लायंस क्लब, क्रशर उद्योग संघ, सामाजिक संस्था पहल वेल विशर फाउंडेशन सहित विभिन्न समाज के समूह, कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नपा अध्यक्ष स्वच्छता दीदियों से मिले, समस्याओं को जाना

जांजगीर। नगर पालिका अध्यक्ष भगवान दास गढ़ेवाल शनिवार को फायर स्टेशन पहुंचकर स्वच्छ भारत मिशन से जुड़ी स्वच्छता दीदियों से मुलाकात की और उनसे चर्चा कर उनकी परेशानियों का जानने का प्रयास किया। इस दौरान स्वच्छता दीदियों ने अध्यक्ष से नियमित मानदेय का भुगतान करने, लंबित दो मानदेय का शीघ्र भुगतान करने, पूर्व में गई गोबर बिक्री की राशि का भुगतान करने, गणवेश उपलब्ध कराने, सफाई गाड़ियां उपलब्ध कराने सहित अन्य समस्याओं से अवगत कराते हुए समस्याओं का निराकरण करने की मांग की, जिस पर नपा अध्यक्ष ने उनकी समस्याओं का शीघ्र का निराकरण करने का आश्वासन दिया।

शतरंज में अनिल तो बैंडमिंटन में साकेत बने चैम्पियन

जांजगीर। जिला अधिवका संघ जांजगीर में पहली बार वार्षिक खेलकूद का आयोजन हुआ। शतरंज के फाइनल मुकाबले में अनिल राठौर कांटे ने विकास अग्रवाल को हरा कर खिताब अपने नाम किया। तुलसी बैडमिंटन हाल में बैडमिंटन का सिंगल व युगल मैच संघर्ष पूर्ण रहा। सिंगल फाइनल मैच में साकेत केशरवानी ने संघ के अध्यक्ष अजय केशरवानी को 21-17, 21- 18 के स्कोर हराया। इसी तरह युगल मुकाबले में अजय केशरवानी व शेखर साहू की जोड़ी ने साकेत केशरवानी व मनोज मिश्रा की जोड़ी को सीधे सेट में 21- 12, 21- 14 से हराकर खिताब जीता। खेल प्रतियोगिता को सफल बनाने जिला अधिवका संघ के अध्यक्ष अजय केशरवानी, सचिव योगेश गोपाल, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव अनिल राठौर, कोषाध्यक्ष दीपक राठौर, सह सचिव इंद्रजीत राठौर, शिव नारायण कार्यकारिणी सदस्य चेतन कोसले, दयाराम राठौर, जीके गुजराल, रेवती रमण तिवारी, लिलेश्वर रत्नाकर, विकास अग्रवाल, राजेश पांडेय, आनंद राठौर, सनत पटेल, परमेश्वर, सूरज गोस्वामी, खिलेश साहू, सन्तोष साहू, मनोज मिश्रा, विद्या राठौर, शकुंतला भारद्वाज सहित जिला अधिवका संघ जांजगीर के अन्य अधिवका उपस्थित रहे।

भटके हुए सैकड़ों परिवार लौटे मूलधर्म में, हुआ स्वागत

सक्ती। शहर के नंदेली भाटा मैदान में 29 दिसंबर को सर्व सनातन हिंदू पंचायत विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न स्थानों से हिंदुवादी संगठनों के दिगज हस्तियों ने पहुंच कर सनातन धर्म की रक्षा के लिए लोगों से आवाहन किया। कार्यक्रम के दौरान धर्म परिवर्तन करने वाले सैकड़ो परिवारों की घर वापसी हुई।

हिंदू सम्राट प्रबल प्रताप जुदेव, बस्तर सांसद महेश कश्यप, सांसद कमलेश जांगड़े, आयोजक अंजू गवेल विधिवत उनके पैर धोकर उनकी वापसी कराई। 29 दिसंबर, की सुबह से ही जिले के विभिन्न स्थानों से लोग पहुंचने लगे थे। लोगों का कहना था कि अनेक लोग लालच में आकर धर्म परिवर्तन कर लेते हैं, किंतु उन्हें पुन: हिंदू धर्म में वापस लाने का काम सतत चल रहा है। ज्ञात हो की नवगठित शक्ति जिले में एवं शक्ति शहर में ईसाई मिशनरियों द्वारा जोर-जोर से धर्मांतरण का कार्य विगत एक लंबे अरसे से किया जा रहा है। सक्ती

विधानसभा, चंद्रपुर विधानसभा में अनेकों ऐसे स्थल है जहां भारी संख्या में वर्ष भर धर्मांतरण का कार्य चलता है, तथा गरीब परिवारों को प्रलोभन देकर उन्हें धर्मांतरण करवा दिया जाता है, तथा इसे देखते हुए शक्ति शहर में अनेकों बार हिंदूवादी संगठनों ने इसके खिलाफ आवाज भी उठाई, किंतु छत्तीसगढ़ प्रदेश में तत्कालीन कांग्रेस की सरकार में धर्मांतरण रोकने को लेकर कोई विशेष पहल शासन द्वारा नहीं हुई जिसके चलते लोगों ने धर्मांतरण कर लिया, किंतु अब प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार आने के बाद ऐसे क्षेत्रों को चिन्हांकित कर वहां बड़े व्यापक रूप से हिंदू सम्मेलनों का आयोजन कर धर्मांतरण कर लेने वाले परिवारों की फिर से हिंदू धर्म में वापसी करवाई जा रही है, तथा जिस स्थान पर 29 दिसंबर को शक्ति में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया इस जगह से लगकर ही तत्कालीन कांग्रेस की सरकार में मस्जिद समाज द्वारा चर्च बनाए जाने का भी प्रस्ताव लाये जाने की चर्चा जोरों से थी, जिसका हिंदूवादी संगठनों ने विरोध भी किया था।

कार्यक्रम में बाबा रामबालक दास, रामस्वरूप दास, राजेंद्र भाई, अजय उपाध्याय, श्रीमती अंजू गवल रूपेन्द्र गवेल, कृष्ण कांत चन्दा डा खिलावन साहू, घनश्याम साहू, राम नरेश यादव, बिजय जायसवाल, अभिषेक शर्मा, गजेंद्र राठौर, पूनम साहू हजारों की संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित थे।

जांजगीर व सक्ती में खुल सकती है नई पुलिस चौकी

जांजगीर चांपा । जिले में पुलिसिंग का मजबूत करने के लिए कवायद शुरू हुई है। पुलिस मुख्यालय की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 में जांजगीर और सक्ती में नई पुलिस चौकी शुरू करने के लिए संबंध में जानकारी मांगी है। ऐसे में भविष्य में दोनों जिलों में नई पुलिस चौकी खुलने की संभावना बढ़ गई है।

दरअसल जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध को कंट्रोल करने कवायद शुरू हो गई है। अपराध रोकने के लिए पुलिस ने अलग-अलग जगहों से प्रस्ताव भेजे 3 थे। अब उन जगहों के संबंध में विभिन्न ना जानकारी मंगाई गई है। पुलिस मुख्यालय को से 26 दिसंबर को दोनों जिले के पुलिस के अधीक्षकों को इसका पत्र जारी कर उन नई-प्रस्तावित पुलिस चौकी के संबंध में एसपी से तीन बिंदु पर जानकारी मांगी है।

कोटमी सोनार में इसलिए है जरूरत

पुलिस चौकी खुलना इसलिए ज्यादा जरूरी है क्योंकि यह बिलासपुर जिले के जयरामनगर से लगा हुआ है। इसके चलते अपराधी कोटमीसोनार क्षेत्र में आकर वारदात को अंजाम देते हैं और जब तक पुलिस को सूचना मिलती है, तब तक अपराधी वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। वहीं कोटमीसोनार में ओकोडायल पार्क होने के कारण लोगों की भीड़ रहती है। गांव अकलतरा से करीब 12 किलोमीटर की दूर है। ऐसे में यहां चौकी खुल जाने से लोगों को तुरंत मदद मिल सकेगी।

मुख्यालय ने ये जानकारी मांगी

एसपी से प्रस्तावित नवीन पुलिस चौकी, मूल थाना व सीमावर्ती थाना-चौकी से दूरी, पिछले तीन साल में मूल थाना में घटित अपराधों की वार्षिक संख्या (वर्षवार) और मूल थाना से पृथक कर जिन क्षेत्रों से नवीन पुलिस चौकी प्रस्तावित किया है, इसकी जानकारी मांगी गई है। उन क्षेत्रों (प्रस्तावित नवीन पुलिस चौकी क्षेत्र) में पिछले 3 साल में हुए अपराधों की संख्या व प्रतिशत (वर्षवार) की जानकारी पुलिस मुख्यालय में भेजने को कहा है।

इन जगहों पर पुलिस चौकी खुलने की संभावना

मुख्यालय से जारी पत्र के अनुसार सक्ती में चार नई चौकी टुंड्री, मोहंदीकला, सिघरा, भोथिया के संबंध में जानकारी मांगी है तो वहीं जांजगीर में तीन नई चौकी के लिए बड़े मोहंदी, भैसों और कोटमीसोनार के संबंध में विभिन्न जानकारी मांगी गई है।

बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे जिले के 26 हजार 729 परीक्षार्थी

जांजगीर-चांपा। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संचालित 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में जिले के 26 हजार 729 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड परीक्षा को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग तैयारी में लग गया है।

गौरतलब है कि हर साल मार्च महीने के दौरान छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाती है। इस साल बोर्ड परीक्षा में 26 हजार 729 परीक्षार्थी शामिल होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग बोर्ड परीक्षा को लेकर तैयारी कर रहा है। दसवीं बोर्ड परीक्षा में 15 हजार 791 जबकि 12वीं बोर्ड परीक्षा में 10 हजार 938 परीक्षार्थी शामिल होंगे स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बोर्ड। परीक्षा को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। बोर्ड परीक्षा में प्रमुख रूप से हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, भौतिक रसायन, जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र, कृषि, कॉमर्स सहित अन्य प्रमुख विषय की परीक्षा आयोजित की जाती है। इधर बोर्ड परीक्षा के पूर्व 20 जनवरी 2025 से प्री बोर्ड एग्जाम भी होना है, ताकि बोर्ड परीक्षा के पूर्व एक तरह से रिहर्सल परीक्षा आयोजित की जा सके। स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा बोर्ड परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र में बिजली पानी शौचालय टेबल कुर्सी की समुचित व्यवस्था बनाने आदेशित किया गया है। मुख्य बोर्ड परीक्षा के पूर्व सरकारी एवं

बोर्ड एग्जाम को लेकर बनाए गए 75 परीक्षा केन्द्र

जांजगीर जिले में इस साल बोर्ड परीक्षा को लेकर टोटल 75 केंद्र बनाए गए हैं इनमें पांच नए परीक्षा केंद्र है जो प्रमुख रूप से अकलतरा ब्लाक के किरारी, नवागढ़ ब्लाक के अमोदा, बम्हनीडीह ब्लॉक के चौरिया में परीक्षा होगी। इसी प्रकार पामगढ़ ब्लॉक के सरकारी स्कूल रसौटा एवं लोहर्सी सरकारी स्कूल को बोर्ड परीक्षा के लिए केन्द्र बनाया गया है। इन दिनों शीतकालीन अवकाश चल रहा है। वहीं सोमवार 30 दिसंबर से स्कूल स्कूलों के पट खुलेंगे। जनवरी 2025 से दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र छात्राएं अपनी पढ़ाई लिखाई को लेकर तैयारी में जुट जाएंगे।

दूसरी ओर माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा नए सिस्टम के आधार पर बोर्ड परीक्षा लेने के पूर्व प्री एग्जाम लिया जाता है। इस दौरान यह जानने की कोशिश की जाती है कि सरकारी एवं निजी स्कूलों में पढ़ाई लिखाई किस तरह से हुई है। इसके बाद छात्र छात्राएं मार्च महीने के दौरान आयोजित किए जाने वाले बोर्ड परीक्षा में शामिल होते हैं। 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा के दौरान प्रमुख रूप से हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, संस्कृत, विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक रसायन, कला, कामर्स, कृषि सहित प्रमुख विषयों की परीक्षा आयोजित की जाती है। इस दौरान नकल रोकने विशेष प्रमुख रूप से उड़नदस्ता टीम का गठन भी किया जाता है।

बारिश की हल्की बूंदों में घंटों गुल रहती है बिजली

जांजगीर-चांपा। बिजली विभाग हर साल प्री मानसून मेंटेनेंस पर प्रति जोन 12-15 लाख रुपए खर्च करता है, लेकिन हल्की बारिश और हवा से घंटों बिजली गुल हो जाना शहरवासियों के लिए आम समस्या बन गई है। रविवार दिन और शनिवार की रात शहर के बड़े हिस्से में बिजली आपूर्ति बाधित रही। विभाग की तकनीकी टीम भले ही मेंटेनेंस के नाम पर फीडरों और ट्रांसफॉर्मरों की जांच करती हो, लेकिन मामूली मौसम परिवर्तन पर भी बिजली गुल हो जाती है।

बिजली कंपनी के अनुसार, हर साल अप्रैल की शुरुआत में प्री मानसून मेंटेनेंस शुरू होता है। इसके तहत हाइटेंशन लाइनों, ट्रांसफॉर्मर्स और सब स्टेशनों का निरीक्षण और मरम्मत की जाती है। पेड़ों की कटाई, इंसुलेटर बदलना, ढीले तारों को कसना और ब्रेकर की जांच जैसे कार्य किए जाते हैं। इसके बावजूद हवा,बारिश के दौरान बिजली आपूर्ति ठप हो जाती है। रविवार को भीमा तालाब इलाके का ट्रांसफॉर्मर खराब होने से कई घंटे बिजली बंद रही।

तकनीकी खराबी का बहाना

नैला जोन के जेई सौरभ कश्यप ने बताया कि खुली बिजली व्यवस्था के कारण पेड़, लकड़ी या अन्य कारणों से तारों पर असर पड़ता है। बारिश और आंधी के समय ब्रेकर ट्रिप होने से बिजली आपूर्ति बाधित होती है। उन्होंने कहा कि विभाग उपभोक्ताओं को कम से कम परेशानी हो, इसकी कोशिश करता है।

बिना बारिश के भी बिजली बंद

शहरवासियों का कहना है कि विभाग बारिश और आंधी का बहाना बनाकर बिजली बंद करता है, लेकिन अब बिना किसी खराब मौसम के भी आपूर्ति बाधित होती है। वार्ड 21 निवासी धनंजय दुबे ने कहा, पहले आंधी और बारिश में बिजली जाती थी, लेकिन अब हल्के मौसम बदलाव में भी बिजली बंद हो जाती है। इससे हमें बड़ी परेशानी होती है। बीडी महंत इलाके के निवासी,जय राठौर ने कहा, विभाग के अधिकारी मेंटेनेंस के नाम पर सालभर बिजली बंद रखते हैं, फिर भी समस्याएं जस की तस रहती हैं। यह उपभोक्ताओं के साथ मजाक है।

जनता परेशान, जवाबदेही की मांग

शहरवासी यह सवाल उठा रहे हैं कि हर साल मेंटेनेंस पर लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद बारिश के समय समस्या क्यों आती है। क्या मेंटेनेंस में अनियमितताएं हैं या फिर विभाग उपभोक्ताओं की गंभीरता से नहीं लेता? बिजली की समस्या पर त्वरित समाधान की जरूरत है।

इज्जत भी गई और 19 हजार का फटका लगा

जांजगीर। अकलतरी तालाब के जुए खेल रहे 5 जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अकलतरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के ग्राम अकलतरी के तालाब में जुए का फड़ लगा है, जहां बड़ी संख्या में जुआरी रुपयों का दांव लगा रहे हैं, इधर सूचना मिलते ही साइबर व अकलतरा की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को आता देख कुछ जुआरी मौके से भाग निकले, पुलिस ने मौके से बिलासपुर सिरगिट्टी निवासी अजय साहू (31 साल), राहुल टाण्डी (25 साल), कोटमीसोनार निवासी शिव कुमार चौहान (33 साल), गांधीदास मानिकपुरी (38 साल) और गतौरा निवासी निखिल कुमार श्रीवास (20 साल) को पकड़ा। पुलिस ने सभी जुआरियों के कब्जे से 19 हजार 500 रुपए जब्त कर उन्हें गिरफ्तार किया है।

सतनाम भवन में तीन दिवसीय गुरु पर्व समारोह कल से

बिर्रा। बाबा गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर जय सतनाम समिति समिति द्वारा सतनाम भवन बिर्रा में तीन दिवसीय जयंती समारोह का आयोजन 30 दिसंबर से किया जाएगा। जिसमें सतनाम पंथी टोली, मंगल भजन, चौका आरती, प्रवचनकर्ता, पंथी नृत्य समूह कलाकार पहुंचेंगे। व्यासाचार्य राधेश्याम पंकज होंगे। विजेताओं को भी पुरस्कार दिया जाएगा।

घनश्यामाचार्य ने भक्तों को बताया ईश्वर के नाम की महीमा

मुलमुला। ग्राम कोनारगढ़ में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के समापन दिवस पर प्रयागराज से आए व्यासपीठाचार्य घनश्यामाचार्य ने कहा कि अधर्म के पथ का त्याग करना चाहिए और धर्म की रक्षा करनी चाहिए। भगवान का नाम हमेशा लेते रहना चाहिए। जो कुछ भी मनुष्य को भगवान द्वारा प्राप्त हुआ है, उसके लिए भगवान को धन्यवाद देना चाहिए। जिस भी व्यक्ति को गुस्सा ज्यादा आता हो, उस व्यक्ति को रोज अपने माथे पर चन्दन कुमकुम का टीका करना चाहिए। तिलक लगाने से मनुष्य की शक्ति जागृत होती हैं तथा अच्छे विचार आते हैं।

मनुष्य की हर समस्या का समाधान ईश्वर के पास होता है। जब तक सनातनी एकजुट रहेंगे तब तक सनातन धर्म सुरक्षित रहेगा। जब मनुष्य विद्या को रट लेता है तो वह विद्या कभी भी मनुष्य का भला नहीं करती। इसलिए विद्या को कभी भी रटना नहीं चाहिए। जो व्यक्ति सूर्य उदय होने से पहले उठता है तो उसका भाग्य चमकने से कोई भी नहीं रोक सकता और जो व्यक्ति सूर्य उदय होने के बाद उठते है, उनके भाग्य को अस्त होने कोई नहीं रोक सकता है।

e-Paper
www.tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा, सोमवार, 30 दिसम्बर 2024
तरुण छत्तीसगढ़

अनमोल वचन......

सच जिसके साथ होता है उसका भले आज कोई साथ दे ना दे पर जीतता वही है ।

व्यापार घाटे में बढ़ोतरी

समाधान देश के अंदर ही पूरा सप्लाई चेन तैयार करना है। लेकिन यह धीरज के साथ दूरगामी निवेश और नियोजन से ही हो सकता है। इस दिशा में पहल का कोई संकेत नहीं दिखता। नतीजतन, व्यापार घाटा अपरिहार्य बना हुआ है। चालू वित्त वर्ष में सिर्फ दो महीने ऐसे रहे, जब वस्तु व्यापार में उसके पिछले महीने की तुलना में व्यापार घाटा कम हुआ। लेकिन अप्रैल 2024 को आधार बनाएं, तो तब से नवंबर तक घाटा कुल मिला कर बढ़ा ही है। अप्रैल में व्यापार घाटा 19.1 बिलियन डॉलर रहा, जो नवंबर में 37.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। लेकिन अप्रैल 2024 को आधार बनाएं, तो तब से नवंबर तक घाटा कुल मिला कर बढ़ा ही है। अप्रैल में व्यापार घाटा 19.1 बिलियन डॉलर रहा, जो नवंबर में 37.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। इसका सीधा कारण तो निर्यात की तुलना में आयात का तेजी से बढ़ना है, लेकिन इस बड़ी कहानी के अंदर कुछ बारीक अहम तथ्य भी हैं। नवंबर में गुजरे वर्ष के इसी महीने की तुलना में आयात 27 फीसदी बढ़ा, वहीं निर्यात 4.7 प्रतिशत गिरा। सरकारी अधिकारी चूंकि हर नकारात्मक खबर के बचाव की दलील ढूंढ कर आते हैं, इसलिए उन्होंने नवंबर के आंकड़ों के बारे में कहा कि बीते महीने सोने का आयात तेजी से बढ़ा, जबकि प्रमुख रूप से पेट्रोलियम पदार्थों का निर्यात घटने की वजह से कुल निर्यात आंकड़ों में गिरावट दिखी।

यानी चिंता की कोई बात नहीं है। वैसे स्वर्ण आयात बढ़ने का रास्ता सरकार ने ही साफ किया है। इस पर आयात शुल्क में भारी कटौती और यूएई से मुक्त व्यापार समझौते का इसमें प्रमुख योगदान है। उधर रूस से सत्ता तेल खरीद कर अमेरिका और यूरोप निर्यात करने का रुझान ठंडा पड़ गया है। ऐसे पेट्रोलियम निर्यातक दूसरी जगह बाजार ढूंढ रहे हैं, लेकिन अभी इसमें ज्यादा कामयाबी नहीं मिली है।

वैसे व्यापार घाटे में बढ़ोतरी का कारण और भी है। भारत के निर्यात लगातार आयात निर्भर होते गए हैं। प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव जैसी योजनाओं के कारण प्रमुख इनपुट्स का आयात कर निर्मित वस्तुओं के निर्यात का चलन बढ़ा है। इस तरह भारत का जितना निर्यात बढ़ता है, उसी अनुपात में आयात बढ़ जाता है। इसका सबसे ज्यादा लाभ चीन को मिला है। यानी कुल मिला कर आयात-निर्यात के कारोबार में चीन पर निर्भरता बनी हुई है। इसका उपाय देश के अंदर ही पूरा सप्लाई चेन तैयार करना है।

राशिफल

मेष राशि : आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना ज्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा। आज किसी अनुभवी की राय आपके लिए बेहतर साबित हो सकती है। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव रहेगा। कारोबार में आपको फायदा हो सकता है, लेकिन आपको अपने खर्चों पर कंट्रोल बनाकर रखना चाहिए।

वृष राशि : आज आपका सोचा हुआ काम पूरा हो सकता है। आसपास के लोगों से आपको सहयोग मिल सकता है। ऑफिस में आपको किसी नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक समस्यायें खत्म होंगी।आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। आज आप कोई बड़ा काम कर सकते हैं। इससे आपको फायदा भी जरूर होगा।

मिथुन राशि : आज आप करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे। आप जिस किसी काम को करने का प्रयास करेंगे, उस काम में आपको अच्छी कामयाबी मिलेगी। ऑफिस में काम को पूरा करने में पूरी तरह से आप सक्षम होंगे। इस राशि के लॉ की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया रहेगा।

कर्क राशि : आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल हो सकते हैं। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं। नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है। अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है।

सिंह राशि : आज आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आय के नएस्रोत सामने आयेंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा।आज जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ करेगा। इससे आप दोनों के बीचनजदीकियां बढेंगी। शाम को मेहमानों के आने से घर का माहौल खुशनुमा बनारहेगा।

कन्या राशि : आज आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हो सकती है। करियरमें आपको सफलता मिल सकती है। नौकरी के क्षेत्र में आपको सफलता मिल सकती है। आपके साथ सब अच्छा होगा आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा। आप किसी पारिवारिक समारोह में जा सकते हैं। वहां आपको देखकर कुछ लोग खुश होंगे।

तुला राशि : आज आपको तनाव से मुक्ति मिल सकती है, जिससे आप काफी राहत महसूस करेंगे। रोजगार पाने में लोगों की मदद आपको मिलती रहेगी। परिवार वालों के साथ आप खुशियों के पल बिता सकते हैं। प्रेम-संबंधों में मजबूती आयेगी। इस राशि के विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रूचि बढ़ सकती है। आपको कुछ नए मौके मिलने की संभावना है। आपके भौतिक सुख-साधनों में बढ़ोतरी होगी। बिजनेस के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। आपकी यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृश्चिक राशिः आज आपको कोई महत्वपूर्ण समाचार मिलेगा। कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं। किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे। सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे। आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी।

धनु राशिः आज किस्मत का सहयोग मिलेगा। आपको नए लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए। ऑफिस में सीनियर आपके काम से खुश होकर आपको कुछ गिफ्ट कर सकते हैं। किसी भी काम को करने से पहले बड़ों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

मकर राशि : आज कार्यक्षेत्र में सीनियर्स का सहयोग मिलेगा।किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है। आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं। आज आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा। आज बच्चे पार्क में खेलने जा सकते हैं। माता-पिता के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। आपका पैसा कहीं अटक सकता है। बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है।

कुंभ राशिः आज आपके व्यक्तित्व में निखार आ सकता है। व्यापारी वर्ग को अचानक से कोई बड़ा धन लाभ हो सकता है। आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव ला सकते हैं। आपका आत्मविश्वास बढ़ सकता है। करोबार में आ रही परेशानिया खत्म होंगी। आपको रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं।

मीन राशिः आज भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आप नये कदम उठायेंगे। आपकी मेहनत रंग लायेगी। कारोबार में आपको लाभ ही लाभ होगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। घरेलू काम को निपटाने में आप सफल रहेंगे। आपको अचानक धन लाभ होगा।

आधुनिकता के अनेक सार्थक पक्ष भी हैं जो समाज को बेह्तर बनाते हैं

भारत डोगरा

आधुनिक समाज में अनेक स्तरों पर जटिलताएं बढ़ रही हैं। तकनीकी बदलाव तेजी से हो रहे हैं, और सामान्य जनजीवन पर उनका असर बड़े स्तर पर हो रहा है। मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को ही लें तो इनका बहुत व्यापक असर हुआ है। दैनिक जीवन को हमने कई स्तरों पर कम समय में ही बदल दिया है। इनमें कुछ असर अच्छे हो सकते हैं, और कुछ बुरे। इस पर बहस हो सकती है, पर एक अधिक व्यापक स‘चाई यह है कि तकनीकी बदलाव में इतनी अधिक तेजी हुई है कि हमें उसे संतुलित और सुलझे हुए रूप में अपनाने के अवसर नहीं मिलते हैं। हम अभी संभलने की क्षमता प्राप्त कर ही रहे होते हैं कि तब तक बहुत कुछ गड़बड़ा जाता है।

मुद्दा केवल तकनीकी बदलाव का ही नहीं है, बल्कि इससे आगे यह भी है कि इस बदलाव को विशेष दिशा में धकेलने के प्रयास साथ-साथ होते हैं। ये प्रयास प्रायः किसी भले उद्देश्य से नहीं जुड़े होते हैं अपितु शक्तिशाली और अति साधन-संपन्न तत्वों के अपना मुनाफा, नियंत्रण और आधिपत्य बढ़ाने की संकीर्ण सोच से जुड़े होते हैं। तकनीकी बदलावों के साथ ही लोगों की सोच को और कायरे को प्रभावित करने वाले पुराने स्रेतों का महत्त्व तेजी से कम होने लगता है, जबकि नये स्रेत हावी होने लगते हैं। इस स्थिति में समाज में नैतिकता की जो बहुत महत्त्वपूर्ण स्थिति और पहचान है, वह भी बहुत प्रभावित होती और बदलती है। क्या बुरा है और क्या गलत है, ऐसे बुनियादी सवाल और उनके जवाब नई तरह से प्रभावित होने लगते हैं। ऐसी कई प्रवृत्तियों, जिन्हें सामाजिक बुराई के रूप में मान्यता मिली हुई थी और ऐसी मान्यता मिलना तथ्य आधारित था, को अब बुराई माना ही नहीं जाता। गलत राह से रोकने के लिए जो सोच समाज में मौजूद थी, वही खिसकने लगती है।

इस तरह से एक ओर तो समाज में अनेक बुराइयां तेजी से फैल सकती हैं और इस कारण अनेक नये तनाव और समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसके साथ-साथ समाज में कई मुद्दों पर अनिश्चय बढने की स्थिति आ सकती है। अनिश्चय की इस स्थिति के एक ओर तो अपने तनाव हैं और दूसरी ओर इसमें अनुचित तत्वों को अपना असर बढ़ाने के अधिक अवसर मिलते हैं। अत-ऐसे दौर और समय में रेखांकित करना और जोर देकर कहना बहुत जरूरी हो जाता है कि सामाजिक नैतिकता के अनेक शात तथ्य ऐसे हैं जो सदा महत्त्वपूर्ण और प्रासंगिक थे, आज भी हैं और सदा प्रासंगिक रहेंगे। एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि अपनी भलाई को समाज की भलाई के साथ जोड़ कर ही आगे बढ़ा जाए। इसके लिए जरूरी है कि सभी की भलाई, समाज की भलाई के बारे में सही समझ बनाने का प्रयास किया जाए जो समता, न्याय, अमन-शांति और पर्यावरण रक्षा जैसे बहुत व्यापक मान्यता के प्रतिष्ठित सिद्धांतों पर आधारित हो। अपनी प्रगति के बारे में सोचना मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है, पर सामाजिक नैतिकता की मांग है कि इस प्रगति की ऐसी राह अपनाई जाए जो सामाजिक भलाई से जुड़ी रहे और किसी भी तरह की सामाजिक क्षति से बचे। स्वयं की प्रगति के लिए, इस प्रगति में तेजी लाने के लिए अपनी क्षमताओं का भरपूर विकास करना उचित है, पर इसके लिए किसी और को क्षति पहुंचाना और समाज को क्षति पहुंचाना अनुचित है। इस सोच का निष्कर्ष तो यही है कि मेहनत और सच्चाई की जिंदगी ही सबसे उचित जिंदगी है। यह एक शात सत्य है, सामाजिक नैतिकता का बहुत महत्त्वपूर्ण पक्ष है, पर आज इस तरह की बातें बहुत कम सुनी जाती हैं, या कोई फिर भी कह दे, तो कई बार इसे महज उपदेश या ओल्ड फैशन सोच कहा जाता है। इससे यही सिद्ध होता है कि तेज बदलाव के आधुनिक युग में सामाजिक नैतिकता के महत्त्वपूर्ण पक्ष उपेक्षित और आहत ही रहे हैं, पर इससे सामाजिक नैतिकता के महत्त्वपूर्ण और शात पक्षों का महत्त्व कम नहीं होता है। हां, इतना जरूर है कि इन्हें रेखांकित करना, इनकी याद दिलाना पहले से अधिक जरूरी हो गया है।

इसी तरह सामाजिक संबंधों को बहुत ईमानदारी से निभाना सामाजिक नैतिकता का बहुत महत्त्वपूर्ण पक्ष है। इन नजदीकी संबंधों को आपसी गहरे विास के आधार पर बनाए रखना, इस विास को कभी नहीं तोडना मानव-जीवन का एक बहुत महत्त्वपूर्ण पक्ष है। गहरे विास पर आधारित यह संबंध अपने आप में बहुत महत्त्वपूर्ण है और साथ में सच्चाई, मेहनत, ईमानदारी पर आधारित जीवन के लिए ऐसे प्रगाढ़ संबंधों से बहुत सहारा भी मिलता है। ऐसे जीवन में कठिनाइयां भी आती हैं और आज के आधुनिक दौर में कई तरह से यह संभावना अधिक बढ़ गई है। अतः सुख-दुख, उतार-चढ़ाव के बीच अपना संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। कठिनाई और दुख की स्थिति में अपने को संभाल पाना और इसके लिए अपने नैतिक जीवन के आधार से मजबूती प्राप्त करना आवश्यक है। दूसरी ओर अधिक सफलता मिल जाने पर अपने संतुलन को बनाए रखना, अपने नैतिक मार्ग पर दृढ़ रहना और हर तरह के अहंकार और सफलता के अनुचित दोहन से बचना आवश्यक है।

जिस तरह की सामाजिक नैतिकता की जरूरत समाज को सदा रही है और तेज बदलावों के आधुनिक दौर में विशेष तौर पर है, उसे प्रतिष्ठित करने के प्रयास आज बहुत जरूरी हैं पर फिर भी उपेक्षित हैं। दूसरी ओर, इस तरह के चालू प्रवृत्ति के प्रयत्न अधिक देखे जाते हैं जिनमें चालाकी से एक तरह से लोगों को भ्रमित कर किसी असरदार व्यक्ति के नेतृत्व में लाया जाता है और उनकी भावनाओं का दोहन किया जाता है। ऐसे प्रयासों के स्थान पर सही तरह की सामाजिक नैतिकता प्रतिष्ठित हो तो समाज की उचित और संतुलित प्रगति से बहुत मदद मिलेगी। मौजूदा दौर में अनेक गंभीर समस्याओं के बढने का एक व्यापक स्तर का कारण यह है कि इन समस्याओं पर नियंत्रण लगाने वाली जो नैतिकता आधारित मान्यताएं समाज में मौजूद थीं, उनका तेजी से ह्रास हुआ है। भ्रष्टाचार बढने का एक मुख्य कारण यह है तो दूसरी ओर, अन्य संदर्भ में, तरह-तरह के बढ़ते नशे की प्रवृत्ति को समझने के लिए भी इस तरह के बदलाव को समझना पड़ेगा जो बहुत स्पष्ट चाहे नजर न आएं पर बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। महिलाओं के विरुद्ध विशेष तरह की हिंसा और अपराधों को भी इस व्यापक संदर्भ में समझना जरूरी है। इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आधुनिकता अपने आप में बुरी है। आधुनिकता के अनेक सार्थक पक्ष भी हैं जो समाज को बेहतर बनाते हैं, या बना सकते हैं। पर समाज में व्यापक स्तर पर समझ बनानी होगी कि आधुनिकता के नाम पर जो कुछ समाज में आ रहा है और तेजी से आ रहा है, उसमें क्या अनुचित है, और क्या उचित है ताकि इस समझ के आधार पर आधुनिकता को हम सुलझे हुए और संतुलित आधार पर अपना सकें।

भारत को दोबारा इतना शिक्षित, सरल और सौम्य प्रधानमंत्री मिलना नामुमकिन

मज़बूत मनमोहन सिंह को कांग्रेस के कर्णधारों ने ही कर दिया था कमजोर

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की क़ाबिलियत का कांग्रेस हाई कमान ने सच में सदुपयोग किया होता तो शायद उसे आज ये दुर्दिन नहीं देखने पड़ते । पहला कार्यकाल तो उनका ठीक-ठाक रहा, लेकिन दूसरे दूसरे कार्यकाल में हाईकमान और उसके कारिंदों की दबी-कुची महात्वाकांक्षाए कुलाँचे मारने लगी। वह भी सत्ता के दोहन की। यह कब दुरूपयोगों में तब्दील हो गया इसकी हाईकमान को भनक तक नहीं लगी। जब चारों-ओर घपले-घोटालों की गूंज उठने लगी , तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

वर्ष 2005 में मुझे दिल्ली में डा. मनमोहन सिंह से मिलने और सीधी बात करने का मौका मिला। अवसर था तीन दिनी सोशल सेक्टर एडिटर कांफ्रेंस के अंतिम दिन प्रधानमंत्री का अपने निवास पर पत्रकारों से मिलने का। इस दौरान एक ग्रुप फोटो सेशन भी होना था, जिसके लिए एस.पी.जी. अधिकारियों ने सात कुर्सियां एक तरफ लगवाकर पत्रकारों को पहले ही उस स्थान पर खड़ा कर रखा था। मगर मैं तो दैनिक भास्कर के विशेष संवाददाता की हैसियत से गया था तो कुछ प्रश्न तो दिमाग में कौंध ही रहे थे, सो मैंने तरकीब लगाई कि फ़ोटो तो होती रहेगी, लेकिन कोई खबर नहीं निकाली तो यहाँ आने और पीएम से मिलने का क्या फ़ायदा? लिहाजा बातचीत के दौरान एक एस.पी. जी अधिकारी से मैंने पता कर लिया कि प्रधानमंत्री किधर से आएंगे और उस ओर अपनी दृष्टि जमा दी, जैसे ही डॉ. सिंह अपनी चिरपरिचित मुद्रा में उस बगीचे में आए, अपन ने उन्हें नमस्ते कर रोक लिया। उन्होंने बताया कि आर्थिक मामलों पर लिखने वाले पत्रकारों से तो मैं अक्सर मिलता रहता हूं, लेकिन इस बार मेरी मंशा देश के विभिन्न राज्यों में सामाजिक विषयों पर कलम चलाने वाले कलमकारों से मिलने की थी। इसी उद्देश्य से पत्र सूचना कार्यालय की अगुवाई में यह सोशल सेक्टर एडिटर कांफ्रेंस का आयोजन किया गया, वह भी पहली बार। फिर मुस्कुराते हुए उन्होंने हमारी तरफ एक सवाल उछाला और पूछा कि कैसी रही आप लोगों की कांफ्रेंस? इतना सुनते ही मैंने तपाक से कहा कि सर, कांफ्रेस तो अच्छी रही, लेकिन हमें तीन सवालों के समाधान कारक जवाब आपके कोई भी मंत्री नहीं दे पाए। उन्होंने पूछा कि वो कौन से सवालात थे- मैंने उन्हें बताया कि पहला सवाल तो जनसंख्या के विस्फोट को रोकने के सरकारी प्रयासों पर था। इसके जवाब में डॉ. सिंह ने स्व. संजय गांधी के दौर में चलाए गए जबरन नसबंदी अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि जबर्दस्ती जनसंख्या नियंत्रण का वह प्रयोग सफल नहीं हुआ था, इसलिए हमारी सरकार जन जागरुकता और निःशुल्क निरोध बांटकर जनसंख्या वृद्धि दर को रोकने की कोशिश कर रही है।

फिर मेरा दूसरा सवाल यह था कि संसद में आपराधिक मुक़दमे दर्ज होने के बावजूद कई नेता चुनकर पहुंच रहे हैं। वहां बैठकर वे कानून बना रहे हैं। ऐसी स्थिति में कहीं ऐसा न हो कि एक दिन पूरी संसद पर ही आपराधिक तत्वों का कब्जा हो जाए। इसके जवाब में डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा कि नेताओं के ख़िलाफ़ दर्ज आपराधिक मुकदमों का शीघ्र निपटारा करने के उद्देश्य से ही हमने फ़ास्ट ट्रेक कोर्ट बनाने का निर्णय लिया है, ताकि लंबित आपराधिक मुकदमों का जल्दी से जल्दी निपटारा हो सके। इसके पश्चात मेरा तीसरा और अंतिम प्रश्न यह था कि आए दिन ये खबरें उड़ती रहती हैं कि बीना में लगने वाली पेट्रोलियम रिफाइनरी को अमेठी में शिफ्ट किया जा रहा है। उन्होंने साफ तौर पर इस खबर का खंडन किया और कहा कि बीना से रिफ़ाइनरी शिफ्ट नहीं होगी। ज़रूरत पड़ी तो अमेठी में नई पेट्रोलियम रिफाइनरी लगा दी जाएगी। इस सवाल-जवाब से जाहिर है कि सभ्य, सहज, सरल और सौम्य स्वभाव के डॉ. मनमोहन सिंह कितने सख्त फैसले ले सकते थे, लेकिन दूसरे कार्यकाल में कांग्रेस हाईकमान ने ही उन्हें कमजोर कर दिया। अगर डॉ. सिंह को फ्री हैंड मिलता तो वे देश को कहां से कहां ले जा सकते थे। उनमें अपार क्षमता एवं योग्यता थी, किन्तु सियासी दांवपेंच से वे नावाक़िफ़ थे। इस मान से हम यह कह सकते हैं कि एक सक्षम, समर्थ और सादगी पसंद शख्सियत का अवसान देश के लिए अपूरणीय क्षति हैं। उनकी नीति-नीयत तो निःसंदेह क़ाबिले तारीफ़ थी।

बिजली चोरी या फिर अवैध निर्माण जवाबदेही तय हो

इस समय उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर बिजली विभाग किसी भी रूप से बिजली चोरी करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। अतिक्रमण करने और अवैध कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई कर अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। निश्चित रूप से समाज में संदेश जाना चाहिए कि जो भी गलत काम करेगा उस पर कार्रवाई की जाएगी। ऐसा संदेश जाएगा तो लोग अवैध काम करने से डरेंगे और बेहतर व्यवस्था और अ‘छा समाज बनाने में मदद मिलेगी। लेकिन क्या ऐसी कार्रवाई करने की बात इतनी सरल है?

अनेक लोग इस तरह की कार्रवाई को गलत बता रहेहैं। कुछ लोगों का आरोप है कि राजनीतिक द्वेष के कारण भी इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या नियमित रूप से इस तरह की कार्रवाई की जाती है? क्या नियमित रूप से देखा जाता है कि कहां बिजली चोरी हो रही है, और कहां लोगों ने अवैध रूप से मकान बनाए हुए हैं, या कब्जे किए हुए हैं? हो सकता है कि अपवाद के तौर पर कहीं ऐसा होता हो लेकिन सामान्य तौर पर ऐसा नहीं होता। ज्यादातर मामलों में इस तरह की कार्रवाई किसी शिकायत या फिर अन्य कारणों से होती है। सवाल है कि सामान्य तौर पर ऐसी कार्रवाई क्यों नहीं होती? सामान्य तौर पर संबंधित कर्मचारी और अधिकारी क्या कर रहे होते हैं? कई मामलों में कर्मचारी और अधिकारी रित लेकर चुप हो जाते हैं, और अवैध काम की तरफ से मुंह मोड़ लेते हैं। निश्चित रूप से भारत लगातार विकास की राह पर अग्रसर है लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देश में रित का खात्मा नहीं हो सका है। भरे बाजार में बिना नक्शा पास हुए बड़ी-बड़ी बिल्डिंग कैसे बन जाती हैं? किसी सुनसान जगह पर ऐसी बिल्डिंग बने तो बात समझ में आती है कि उस बिल्डिंग पर किसी अधिकारी की नजर नहीं पड़ी होगी। लेकिन ऐसे मुख्य बाजार और ऐसी मुख्य सड़क, जहां से अधिकारी रोज गुजरते हैं, पर भी अवैध निर्माण धड़ल्ले से होते हैं। समझ से परे है कि ऐसे निर्माण पर अधिकारियों का ध्यान क्यों नहीं जाता। जब ऐसी अवैध इमारतों में कोई हादसा हो जाता है, या इनकी शिकायत की जाती है तो अधिकारी तुरंत हरकत में आ जाते हैं। विपक्ष से जुड़े नेता की बिल्डिंग पर कार्रवाई होने में देर नहीं लगती। इसका सीधा सा अर्थ है कि संबंधित विभाग के कर्मचारी और अधिकारी जानबूझ कर अवैध निर्माण को प्रश्रय देते हैं, और जब अवैध निर्माण हो जाते हैं तो उन्हें ध्वस्त करने का डर दिखा कर उगाही की जाती है। आम तौर पर अवैध इमारतों के मालिकों को पहले नोटिस दिया जाता है। नोटिस देने के बाद ही अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाता है। लेकिन अक्सर नोटिस देने की प्रक्रिया में भी धांधली होती देखी गई है। कई लोगों ने आरोप लगाए हैं कि इमारत गिराने से पहले उन्हें नोटिस नहीं दिया गया। किसी भी रूप से बिजली की चोरी की जाएगी या फिर अवैध निर्माण किए जाएंगे तो इसका असर समाज और अंतत- देश पर ही पड़ेगा।

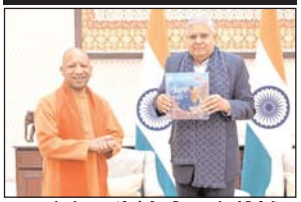

तस्वीरों की दुनिया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और उन्हें आगामी महाकुंभ 2025 में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

पटना के गांधी मैदान में कथित अनियमितताओं के कारण बीपीएससी अभ्यर्थियों ने 70वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा की पुनः परीक्षा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने नयागढ़ जिले के कंडापाड़ा गांव में धान की फसल उगाने वाले किसानों से बातचीत की, जिनके खेत बेमौसम बारिश से बर्बाद हो गए थे।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा के साथ नई दिल्ली में पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और उन्हें आगामी महाकुंभ 2025 में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के सीहोर में नर्मदा नदी की पूजा-अर्चना की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने गोविंदपुरी, नई दिल्ली में गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों और माता गुजरी की शहादत को याद करते हुए गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में लंगर में हिस्सा लिया।

पटना में छात्रों पर लाठीचार्ज, प्रशांत किशोर समेत 21 लोगों पर एफआईआर दर्ज

पटना, 30 दिसम्बर (एजेंसी)।

पटना के जेपी गोलंबर पर रविवार की देर शाम बैरिकेडिंग तोड़ सीएम आवास की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे बिहार लोक सेवा आयोग अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। दो वाटर कैनन से अभ्यर्थियों पर पानी की बौछार भी की गई। पुलिस की लाठी से सात-आठ छात्र जख्मी हो गए। दर्जन भर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। मिटी एसी स्वीटी सहरावत ने बताया कि जिला प्रशासन से अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन की अनुमति नहीं ली थी। गैरकानूनी ढंग से उन्होंने रास्ता रोक रखा था। इससे विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो रही थी। दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी ने अभ्यर्थियों को वहां से हटने को कहा। कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन वह सड़क से हटने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें लाठीचार्ज कर हटा दिया। आदेश का उल्लंघन करने वाले प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध प्राथमिकी की जाएगी। बीपीएससी की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा रद करने की मांग को लेकर बीपीएससी अभ्यर्थी लगातार आंदोलन कर रहे हैं।वहीं, इस मामले को लेकर पुलिस ने प्रशांक किशोर सहित कई लोगों पर मामले दर्ज किए हैं। प्रशांत किशोर

छात्रों के आंदोलन को किसी राजनेता के हाथ में नहीं जाने देंगे। इस बीच, मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने वार्ता की पेशकश की और अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल को मिलने के लिए बुलाया था, मगर वे जाने के लिए तैयार नहीं हुए। सीएम आवास की ओर पैदल मार्च जारी रखा। जेपी गोलंबर के पास बैरिकेडिंग की गई थी।

वहां अभ्यर्थियों को पुलिस ने आगे-बढ़ने से रोक लिया। लगभग ढाई घंटे तक पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अभ्यर्थियों को वहां से हटने के लिए मान-मनौव्वल करते रहे। जेपी गोलंबर से जुड़ी सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। तब अभ्यर्थियों को चेतावनी दी जाने लगी। इससे प्रदर्शनकारी उग्र हो गए, उन्होंने बैरिकेडिंग तोड़ दी। तब पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। 13 दिसंबर को बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा ली गई थी। राजधानी के बापू सभागार परीक्षा केंद्र पर धांधली का आरोप लगाकर परीक्षार्थियों ने बहिष्कार कर दिया था। इसके बाद इस केंद्र की परीक्षा रद कर दी गई थी। अब चार जनवरी को यह परीक्षा होनी है।

पर छात्रों को भड़काने का आरोप लगाया गया है। रविवार की सुबह वह गांधी मूर्ति के पास जुटने लगे। मुख्यमंत्री आवास तक पैदल मार्च करने का निर्णय लिया गया। शाम में जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर भी अभ्यर्थियों के समर्थन में पहुंचे। प्रशांत के वहां पहुंचने पर युवाओं ने उनके विरुद्ध खूब नारेबाजी की। युवाओं का कहना था कि वे अपने बूते आंदोलन को आगे बढ़ाएंगे।

नए साल में महंगी हो सकती है खेती सरकार बंद कर सकती है ये खास सब्सिडी

नईदिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेंसी)।

खेती में यूरिया के बाद सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले खाद डीएपी का मूल्य अगले महीने बढ़ सकता है। किसानों को अभी 50 किलोग्राम का एक बैग डीएपी 1350 रुपये में मिल रहा है। इसमें दो सौ रुपये तक की वृद्धि हो सकती है।केंद्र सरकार किसानों को सस्ते मूल्य पर डीएपी उपलब्ध कराने के लिए 35 सौ रुपये प्रति टन की दर से विशेष सब्सिडी देती है, जिसकी अवधि 31 दिसंबर को खत्म हो रही है। हाल के दिनों में डीएपी बनाने में इस्तेमाल होने वाले फास्फोरिक एसिड एवं अमोनिया के मूल्य में 70 प्रतिशत तक की वृद्धि का असर खाद की कीमतों पर देखा जा रहा है। फॉस्फेट और पोटाश युक्त (पीएंडके) उर्वरकों के लिए केंद्र सरकार ने अप्रैल 2010 से पोषक-तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना चला रखी है। इसके तहत वार्षिक आधार पर निर्माता कंपनियों को सब्सिडी दी जाती है। पीएंडके क्षेत्र नियंत्रण मुक्त है और एनबीएस योजना के तहत कंपनियां बाजार के अनुसार उर्वरकों का उत्पादन और आयात कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त किसानों को सस्ते मूल्य पर निर्बाध डीएपी उपलब्ध कराने के लिए एनबीएस सब्सिडी के अलावा डीएपी पर विशेष अनुदान दिया जाता है, जिसकी अवधि का विस्तार अगर नहीं हुआ तो पहली जनवरी से डीएपी का महंगा होना तय है। इस वर्ष खरीफ मौसम के दौरान डीएपी पर प्रति टन सब्सिडी 21,676 रुपये थी, जिसे रबी (2024-25) मौसम के लिए बढ़ाकर 21,911 रुपये कर दिया गया। अगर विशेष सब्सिडी जारी रखने पर विचार नहीं किया गया तो इसका बोझ उद्योग जगत को उठाना पड़ेगा। पिछले कुछ समय से डॉलर की तुलना में रुपये का अवमूल्यन हो रहा है। वैश्विक बाजार में अभी डीएपी का मूल्य 630 डालर प्रति टन है। सिर्फ रुपये के कमजोर होने के चलते आयात लागत में लगभग 1200 रुपये प्रति टन की वृद्धि हो गई है। इसी दौरान अगर सब्सिडी भी बंद कर दी गई तो प्रति टन लगभग 4700 रुपये की लागत बढ़ जाएगी, जो प्रति बैग लगभग दो सौ रुपये महंगा हो सकता है।दो वर्ष पहले किसानों को डीएपी प्रति बैग 12 सौ रुपये में मिलता था, जिसमें 150 रुपये की वृद्धि से प्रति बैग 1350 रुपये मूल्य हो गया। देश में इस वर्ष 93 लाख टन डीएपी की जरूरत थी, जिसका 90 प्रतिशत आयात से पूरा किया जाना था। इसी दौरान वैश्विक बाजार में डीएपी के मूल्य में वृद्धि हो गई। उद्योगों को जब घाटा होने लगा तो आयात प्रभावित हो गया।

भाई ने बनाए शारीरिक संबंध, नाबालिग ने अस्पताल में बच्चे को दिया जन्म, छात्रा ने दर्ज कराई FIR

गाजियाबाद। दिल्ली की एक कॉलोनी की छात्रा ने लोनी के रहने वाले तहेरे भाई (पिता के बड़े भाई के बेटे) पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। दुष्कर्म के बाद छात्रा ने बच्चे को दिल्ली के अस्पताल में जन्म दिया।अस्पताल की सूचना पर पहुंची दिल्ली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कराई। घटना स्थल लोनी का होने पर यहां ट्रांसफर किया गया है। पुलिस उप निर्धारित के लिए छात्रा का मेडिकल कराकर आगे की कार्रवाई करेगी। दिल्ली की एक कॉलोनी की छात्रा ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि वह नौवीं कक्षा कि छात्रा है। वह अपनी मौसी के साथ रहती है। छुट्टियों में लोनी में रहने वाली ताई (पिता के बड़े भाई की पत्नी) के यहां आती जाती थी। मार्च 2024 में स्कूल की छुट्टी में वह अपनी ताईजी के घर लोनी आई थी।आरोप है कि जहां उसके तहेरे भाई ने उससे शारीरिक संबंध बनाए और किसी को नहीं बताने के लिए कहा। दिसंबर में उसके पेट में दर्द हुआ तो उसे असाला ले लाया गया, जहां उसने बच्चे को जन्म दिया। अस्पताल से पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई।सूचना पाकर पुलिस ने काउंसलिंग की और मुकदमा दर्ज कराया। जांच में मामला लोनी का निकला तो यहां ट्रांसफर कर दिया गया।

गाजा में बंधकों के साथ हुआ था यौन उत्पीड़न इजरायली रिपोर्ट में हुए कई चौंकाने वाले खुलासे

यरूशलम, 30 दिसम्बर (एजेंसी)।

इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को एक रिपोर्ट जारी कर बताया है कि गाजा में बंधक बनाकर रखे गए लोगों का बड़े पैमाने पर शारीरिक और यौन उत्पीड़न किया गया। इनमें बच्चे भी शामिल थे। यह रिपोर्ट उन डाक्टरों के निष्कर्षों पर आधारित है, जिन्होंने पिछले साल युद्धविराम के दौरान रिहा किए गए 100 से अधिक बंधकों में से कुछ का इलाज किया था। इसमें कहा गया है कि बंदियों को गंभीर शारीरिक और यौन शोषण का शिकार होना पड़ा। बंदियों पर की गई क्रूरता में पिटाई, अलगाव, भोजन और पानी से वंचित करना, बाल खींचना और यौन उत्पीड़न शामिल था। यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र को भेजी जानी है। यह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर हमास के साथ युद्धविराम और बंधकों की रिहाई पर सहमत होने का दबाव बढ़ा सकता है। बंधकों के परिवारों और उनके समर्थकों ने महीनों तक प्रदर्शन किया है। इस बीच, रविवार को गाजा में एक अस्पताल पर इजरायली हमले में सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सेना ने कहा कि उसने हमास निगरानी केंद्र पर हमला बोला था। यह इमारत अब अस्पताल के रूप में कार्य नहीं कर रहा। सेना ने शुक्रवार को उत्तरी गाजा के जिस अस्पताल पर छापा मारा था, वहां से 240 से अधिक फलस्तीनियों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें इसके निदेशक भी शामिल थे। वहीं, उत्तरी वेस्ट बैंक के जेनिन में 22 वर्षीय पत्रकारिता की छात्रा की हत्या कर दी गई।

शाथा अल-सब्बाग के परिवार का आरोप है कि फलस्तीनी सुरक्षा बलों के खाइपर ने उसे मार डाला। इजरायली सेना ने गाजा के बेइत हनौन इलाके में मौजूद सभी निवासियों को रविवार को शहर छोड़ने का आदेश दिया है। सेना का कहना है कि नागरिकों को घर खाली करने का आदेश उन्हें किसी भी नुकसान से बचाने के लिए दिया गया है। जार्डन ने रविवार को अल अक्सा मस्जिद, हरम अल-शरीफ में घुसपैठ की निंदा की है। साथ ही पुलिस संरक्षण में हुए उल्लंघनों के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया।

रूस का बड़ा ऐलान, मिसाइलों की तैनाती पर लिया नया फैसला, यूक्रेन को लेकर बदल रही रणनीति

मॉस्को, 30 दिसम्बर (एजेंसी)।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रविवार को कहा कि रूस मध्यम और कम दूरी की परमाणु-सक्षम मिसाइलों की तैनाती पर लगी अपनी एकतरफा रोक हटा लेगा, क्योंकि अमेरिका ने दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे हथियार तैनात किए हैं। लंबे समय से संकेत दिए जा रहे थे कि रूस का यह कदम शीत युद्ध की सबसे महत्वपूर्ण हथियार नियंत्रण संधियों में से एक को खत्म कर देगा। रूस और अमेरिका के संबंध शीत युद्ध के बाद से सबसे खराब स्थिति में हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या रूस फरवरी 2026 में अपनी समाप्ति से पहले नई स्टार्ट संधि से हट सकता है, लावरोव ने कहा कि वॉशिंगटन के साथ रणनीतिक बातचीत के लिए वर्तमान में कोई शर्तें नहीं थीं। स्पष्ट है कि छोटी और मध्यम दूरी की मिसाइलों की तैनाती पर हमारी रोक अब व्यावहारिक रूप से व्यवहार्य नहीं है और इसे छोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने रूस और चीन की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया है और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में इस वर्ग के हथियारों की तैनाती की ओर बढ़ गया है।

1987 में मिखाइल गोर्बाचेव और रोनाल्ड रीगन द्वारा हस्ताक्षरित इंटरमीडिएट-रेंज न्यूक्लियर फोर्सेज संधि ने पहली बार महाशक्तियों को अपने परमाणु शस्त्रागार को कम करने और परमाणु हथियारों की एक पूरी श्रेणी को खत्म करने पर सहमति व्यक्त की थी। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका औपचारिक रूप से 2019 में यह कहने के बाद आईएनएफ संधि से हट गया था कि मास्को समझौते का उल्लंघन कर रहा है। हालांकि, क्रेमलिन ने आरोप का बार-बार खंडन किया। रूस ने आईएनएफ संधि द्वारा पहले से प्रतिबंधित मिसाइलों के विकास पर रोक लगा दिया था।

गोरखपुर एक्सप्रेस का जनरेटर कार चकरेल से टकराया, डीजल टैंक के फूटने से घंटो खड़ी रही ट्रेन

इटारसी, 30 दिसम्बर (एजेंसी)।

रविवार शाम इटारसी-मुबई अप ट्रेक से जा रही 20104 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार ट्रेन में लगे जनरेटर कार का टैंक रेलवे गेट पर लगे चकरेल से टकरा गया और फूट गया। इस कारण टैंक से डीजल बहने लगा।घटना की जानकारी होते ही ट्रेन को रेलवे गेट पर रोका गया, इसके बाद मौके पर इंजीनियरिंग एवं पीडब्लयूआई विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे। इस वजह से ट्रेन करीब दो घंटे तक वहीं खड़ी रही। ट्रेन के देर तक रुकने के कारण यात्री काफी परेशान हुए।दरअसल, धर्मकुंडी-बनापुरा के बीच 20104 गोरखपुर एक्सप्रेस में लगे जनरेटर कार का डीजल टैंक चकरेल से टकरा गया था, इससे डीजल बहने लगा। हादसे की वजह से ट्रेन को रोका गया। इस समस्या को लेकर बानापुरा के एक अधिकारी ने बताया कि टैंक क्षतिग्रस्त हुआ है। रेलवे सूत्रों के अनुसार एलएचबी कोच वाले रैक में लगने वाले जनरेटर कार के निचले हिस्से में लगे डीजल टैंक के चकरेल से टकराने से टैंक फूट गया। इसके बाद डीजल बहने लगा। ट्रेन के रुकने से शिवपुर रेलवे गेट पर भी दोनों तरफ से सैकड़ों वाहन फंस गए, जिससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना रविवार शाम करीब 5.30 बजे की है। ट्रेन के रुकने के कारण पीछे से आने वाली अन्य ट्रेनों का आवागमन भी प्रभावित हुआ। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि ट्रेन के निकलने के दौरान लोहे की कोई वस्तु टकराई होगी, जिसके बाद जनरेटर कार का टैंक फूट गया। रेलवे अधिकारियों ने इस संबंध में अभी कोई ठोस जानकारी नहीं दी है। हालांकि, रेलकर्मियों ने बताया कि रेलवे फाटक के आसपास पांच छह मीटर में रेलवे ट्रेक के टुकड़े लगाए जाते हैं, इसके ही चकरेल कहा जाता है। इसी से टकराने के बाद टैंक फूटा है। गौरतलब है कि आला अधिकारी अभी घटना को लेकर कुछ भी कहने से इनकार कर रहे हैं। बानापुरा के रेलवे अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है। बानापुरा स्टेशन से ट्रेन छूटने के बाद रेलवे गेट पर हादसा हो गया। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी खराबी आने के कारण ट्रेन को रोका गया। ट्रेन अपने निर्धारित समय से घंटों देरी से चल रही है।

फर्जी पासपोर्ट रैकेट: कोलकाता पुलिस के हत्थे चढ़ा सरगना, ट्रैवल एजेंसी की आड़ में चला रहा था धंधा

कोलकाता, 30 दिसम्बर (एजेंसी)।

कोलकाता पुलिस ने शनिवार देर रात उत्तर 24 परगना जिले के गायघाटा से मनोज गुप्ता नामक आरोपित को उसके घर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे गिरोह का सरगना बताया है। गुप्ता कोलकाता के बेहाला का निवासी है और एक ट्रैवल एजेंसी की आड़ में फर्जी पासपोर्ट रैकेट चला रहा था। वह यूरोप जाने के लिए बांग्लादेशियों को वीजा जारी करता था। मनोज को 10 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में अब गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। आरोपितों के पास से कई फर्जी दस्तावेज, हार्ड डिस्क ड्राइव, एक कंप्यूटर और एक लैपटाप जब्त किए गए हैं। यह गिरोह फर्जी पासपोर्ट बनाता था, जिसका मुख्य उद्देश्य बांग्लादेशियों को अवैध पहचान पत्र हासिल करने में मदद करना था। पता सत्यापन के लिए पुलिस जिम्मेदार नहीं फर्जी पासपोर्ट रैकेट मामले में राज्य पुलिस पर पासपोर्ट वेरिफिकेशन (सत्यापन) में लापरवाही के गंभीर आरोप लगे हैं। इन सबके बीच इस मुद्दे पर बंगाल पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार का कहना है कि पुलिस पासपोर्ट के पते के सत्यापन के लिए जिम्मेदार नहीं है। बल्कि यह कार्य पासपोर्ट प्राधिकरण के अंतर्गत आता है। पासपोर्ट प्राधिकरण के मौजूदा दिशा- निर्देश भ्रामक हैं, जो कमियां पैदा करते हैं। जिसका फायदा धोखाधड़ी के लिए उठाया जा सकता है। पासपोर्ट सिस्टम में कमियों के बारे में हमने संबंधित एजेंसियों को बताया है। हमने सुझाव दिया है कि इसे बदला जाना चाहिए। अब से सत्यापन पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। झारखंड समेत अन्य प्रांतों में बांग्लादेशी घुसपैठ और अवैध आप्रवासन से जुड़ी गतिविधियों को लेकर जारी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि इसका कोई डाटा केंद्रीय स्तर पर उपलब्ध नहीं है। संबंधित जानकारी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों या आप्रवासन ब्यूरो (ब्यूरो आफ इमिग्रेशन) के पास हो सकता है।झारखंड जनाधिकार महासभा से जुड़े सिरज दत्ता ने सूचना अधिकार के तहत आनलाइन आवेदन के जरिए इससे संबंधित जानकारी केंद्रीय गृह मंत्रालय से मांगी थी। उन्होंने आग्रह किया था कि गृह मंत्रालय हर राज्य में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या बताए। मंत्रालय हर राज्य में बसे बांग्लादेशी घुसपैठियों के लव जिहाद और लैंड जिहाद से जुड़े मामले के बारे में भी जानकारी दे। यह भी बताएं कि इसे लेकर क्या प्रशासनिक कदम उठाए गए।

घर में घुसे तीन चोर, अचानक पहुंची महिला ने एक को कमरे में किया बंद, दो फरार

ग्रेटर नोएडा, 30 दिसम्बर (एजेंसी)।

दनकौर कोतवाली क्षेत्र के झाझर रोड पर बने एक डॉक्टर के मकान में शनिवार की शाम तीन चोर चोरी करने घुस गए, जिस समय चोर चोरी की घटना को अंजाम दे रहे थे परिवार के लोग बाहर गए थे। अचानक डॉक्टर की पत्नी मौके पर पहुंच गई।डॉक्टर की पत्नी ने सूझबूझ का परिचय देते हुए एक चोर को कमरे में बंद कर दिया, जबकि दो चोर मौके से भागने में कामयाब हो गए। सूचना पर डॉक्टर भी पहुंच गए।जब डॉक्टर ने दरवाजा खोला तो आरोपी ने लोहे की रॉड से डॉक्टर के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। शोर शराबा सुनकर एकत्र हुए ग्रामीणों ने आरोपित को दबोच लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस फरार दोनों चोरों की तलाश कर रही है।मूलरूप से दनकौर कोतवाली क्षेत्र के पारसौल गांव के हितेंद्र मलिक का दनकौर कस्बे में झाझर रोड पर क्लीनिक है। वह क्लीनिक से कुछ दूरी पर परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार की रात उनके बच्चे व पत्नी किसी काम से बाहर गए हुए थे, जबकि वह क्लीनिक पर थे।जब उनकी पत्नी और बच्चे घर पहुंचे तो तीन चोर घर के अंदर चोरी कर रहे थे। उनके पहुंचने के बाद दो चोर मौके से फरार हो गए। जबकि कमरे में घुसे तीसरे आरोपित को उनकी पत्नी ने बाहर से कुंडी लगाकर कमरे में बंद कर दिया। सूचना पर हितेंद्र भी घर पहुंच गए। जैसे ही उन्होंने कमरे का दरवाजा खोला। चोर ने लोहे की रॉड से उनके सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना में डॉक्टर गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गए। बाद में आसपास के लोगों ने आरोपित को दबोच आरोपित के साथ मारपीट कर दी। आरोपित की पहचान बुलंदशहर के पुष्पेंद्र के रूप में हुई है।कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपित से पूछताछ के आधार पर फरार दोनों बदमाशों की पहचान कर ली गई है। जल्द ही फरार आरोपित भी पुलिस गिरफ्त में होंगे।

पीएम इंटर्नशिप योजना: अब तक 6 लाख से अधिक आवेदन, हर माह मिलेंगे 5000 रुपये

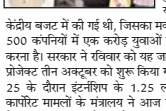

नई दिल्ली 30 दिसम्बर।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत 1.27 लाख अवसरों के लिए 6.21 लाख आवेदन प्राप्त हुए। चयन की प्रक्रिया जारी है। योजना की घोषणा 2024 के केंद्रीय बजट में की गई थी, जिसका मकसद अगले पांच वर्षों में शीर्ष-500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। योजना का पालयट प्रोजेक्ट तीन अक्टूबर को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य 2024-25 के दौरान इंटर्नशिप के 1.25 लाख अवसर प्रदान करना है। कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने आज एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि इस योजना के तहत इंटर्नशिप के 1.27 लाख अवसरों के लिए करीब 6.21 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। इंटर्नशिप के लिए चयन प्रक्रिया जारी है।

कानून अपना काम करेगा, भगदड़ मामले में बोले तेलंगाना के डीजीपी, जमानत पर बाहर हैं अल्लू अर्जुन

हैदराबाद, 30 दिसम्बर (एजेंसी)।

तेलंगाना के डीजीपी जितेंद्र ने रविवार को कहा कि फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर शो के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत के मामले में कानून अपना काम करेगा। फिल्म के अभिनेता अल्लू अर्जुन इस मामले में आरोपितों में से एक हैं।प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवालों का जवाब देते हुए डीजीपी ने मामले पर ज्यादा विस्तार से बात करने से इन्कार कर दिया। उन्होंने इसके पीछे की वजह बताते हुए कहा कि यह मामला न्यायालय में है। उन्होंने कहा कि मामले की पहले से ही जांच चल रही है। यह न्यायालय में विराजाधीन है। कानून अपने काम करेगा। यही बस मेरा कहना है।गौरतलब है कि चार दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में पुष्पा 2 फिल्म के प्रीमियर शो के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति में एक 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई थी।

वहीं, उस महिला का आठ वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया था।वहीं, अल्लू अर्जुन इस मामले में जमानत पर बाहर हैं। अल्लू अर्जुन के आवास पर हमला करने वाले उस्मानिया विश्वविद्यालय-संयुक्त कार्रवाई समिति (ओयू-जेएसी) के तीन सदस्यों ने रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उन्हें धमकी भरे फोन आ रहे हैं।

अभिनेता के प्रशंसकों ने गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे रहे हैं। तेलंगाना के डीजीपी जितेन्द्र ने एक बार फिर नक्सलियों को राज्य छोड़ने की चेतावनी दी और इस बात पर जोर दिया कि आगे किसी भी उकसावे की कार्रवाई पर पुलिस आवश्यक कदम उठाएगी। डीजीपी ने कहा कि कुछ घटनाओं को छोड़कर, 2024 में राज्य में कानून और व्यवस्था प्रभावी रूप से कायम रही, हिंसक अपराधों, नक्सली गतिविधियों और सांप्रदायिक तथा आतंकवादी संगठनों के खिलाफ कड़े कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि नवंबर में मुलुगु जिले में नक्सलियों द्वारा दो निर्दोष लोगों की हत्या को छोड़कर कोई बड़ी घटना नहीं हुई। डीजीपी ने कहा कि इसके बाद पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया और सामान्य स्थिति बहाल की।

नहीं रहे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर, 100 साल की उम्र में हुआ निधन

वॉशिंगटन 30 दिसम्बर। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर का रविवार (स्थानीय समयानुसार) को 100 साल की उम्र में निधन हो गया। वो अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति थे। कार्टर 1977 में आर फोर्ड को हराकर राष्ट्रपति बने थे।वह 1977 से 1981 तक अमेरिका के राष्ट्रपति रहे हैं। काफी लंबे समय से वह बीमार चल रहे थे। उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। कार्टर का जन्म 1 अक्टूबर 1924 को हुआ था। 2002 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया था। इस दौरान उन्होंने अमेरिका के मिडिल ईस्ट रिश्तों की नींव रखी। जॉर्जिया के छोटे से शहर प्लेन्स में उनका निधन हो गया। उन्होंने अपने घर में आखिरी सांस ली। साल 2023 के नवंबर महीने में इसी घर में उनकी पत्नी रोजलिन का भी देहांत हो गया था। वो एक व्यवसायी, नौसेना अधिकारी, राजनीतिज्ञ, वार्ताकार, लेखक थे। इतना ही नहीं वो कारपेंटर का काम बखूबी जानते थे। राष्ट्रपति का पद छोड़ने के एक साल बाद उन्होंने कार्टर सेंटर नाम के एक चैरिटी की स्थापना की थी।

कृषि की समृद्धि से निकलेगा छत्तीसगढ़ की खुशहाली का रास्ता

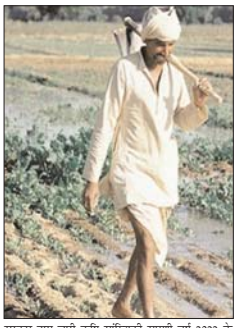

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड़ रूपए का भुगतान करके एक ओर जहां अपना संकल्प पूरा किया है, वहीं दूसरी ओर किसानों से बीते खरीफ विपणन वर्ष में 144.92 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी कर एक नया रिकार्ड कायम किया है। किसानों को समर्थन मूल्य के रूप में 32 हजार करोड़ रूपए का भुगतान एवं किसान समृद्धि योजना के माध्यम से मूल्य की अंतर की राशि 13,320 करोड़ का भुगतान करके यह बता दिया है कि छत्तीसगढ़ की खुशहाली और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का रास्ता खेती-किसानी से ही निकलेगा।

देश में यह गौरव की बात है कि सेंट्रल पूल में धान के योगदानकर्ता राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। समर्थन मूल्य पर सर्वाधिक किसानों से धान खरीदने वाला तथा धान का सर्वाधिक 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से मूल्य देने वाला छत्तीसगढ़, देश का प्रथम राज्य है। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक 24.75 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदने वाला छत्तीसगढ़, देश में प्रथम स्थान पर रहा है। विपणन वर्ष 2023-24 में राज्य सरकार ने मोदी जी की गारंटी के अनुरूप किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी की गई चालू खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में राज्य के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और यह धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने एक साल की अवधि में राज्य के किसानों के हित में लिए गए फैसलों से खेती-किसानी को नया सम्बल मिला है। किसानों का मानना है कि राज्य सरकार के फैसलों से यह स्पष्ट हो गया है कि यह सरकार किसानों की हितैषी है। खेती-किसानी ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। कृषि के क्षेत्र में सम्पन्नता से ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और विकसित राज्य बनाने का सपना साकार होगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने इस साल कृषि के बजट में 33 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 3 हजार 435 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। छत्तीसगढ़ में किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर अल्पकालीन कृषि ऋण 01 अप्रैल 2014 से उपलब्ध कराया जा रहा है। ऋण की अधिकतम सीमा 5 लाख रूपए तक है। फसल ऋण में नगद एवं वस्तु का अनुपात 60 अनुपात 40 है। सहकारी एवं ग्रामीण बैंकों से ब्याज मुक्त कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए खरीफ वर्ष 2024 में 15.21 लाख किसानों को 6912 करोड़ रूपए का अल्पकालीन कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर वितरित किया गया। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत भूमिहीन परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता देने के लिए बजट में 500 करोड़ रुपए का प्रावधान है। छत्तीसगढ़ में किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री सिंचाई योजना, सौर सुजला योजना के माध्यम से सिंचित रकबे में बढ़ोत्तरी का प्रयास किया जा रहा है। नवीन सिंचाई योजना के लिए 300 करोड़ रुपए, लघु सिंचाई की चालू परियोजनाओं के लिए 692 करोड़ रूपए, नाबार्ड पोषित सिंचाई परियोजनाओं के लिए 433 करोड़ रूपए एवं एनीकट तथा स्टाप डेम निर्माण के लिए 262 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान छत्तीसगढ़ सरकार ने किया है। छत्तीसगढ़ में किसानों एवं भूमिहीन मजदूरों की स्थिति में सुधार, कृषि एवं सहायक गतिविधियों के लिए समन्वित प्रयास पर राज्य सरकार का फोकस है। छत्तीसगढ़ राज्य में खरीफ फसलों का सामान्य क्षेत्र 48.08 लाख हेक्टेयर तथा रबी फसलों का क्षेत्र 18.06 लाख हेक्टेयर है। वर्तमान में प्रदेश में विभिन्न सिंचाई स्रोतों से खरीफ मौसम में 16.04 लाख हेक्टेयर के लिये सिंचाई सुविधा उपलब्ध है जो निरा फसली क्षेत्र का 35 प्रतिशत है। राज्य में कुल 40.11 लाख कृषक परिवार हैं जिसमें से 80 प्रतिशत लघु एवं सीमांत श्रेणी के हैं। प्रदेश में 33 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति एवं 12 प्रतिशत अनुसूचित जाति के कृषक परिवार हैं। खरीफ उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में कुल अनाज में 3 प्रतिशत, दलहन में 9 प्रतिशत एवं तिलहन में एक प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत सरकार द्वारा जारी कृषि सांख्यिकी सारणी वर्ष 2022 के अनुसार धान फसल के क्षेत्राच्छादन में छत्तीसगढ़ राज्य देश में चौथे, धान फसल के कुल उत्पादन में छत्तीसगढ़ राज्य देश में 7वें तथा धान फसल के प्रति हेक्टेयर उत्पादकता में छत्तीसगढ़ राज्य देश में 11वें स्थान पर है। खाद्यान्न फसलों के क्षेत्राच्छादन में छत्तीसगढ़ देश में 10वें, उत्पादन में 15वें तथा प्रति हेक्टेयर उत्पादकता में 16वें स्थान पर हैं। चना फसल क्षेत्राच्छादन में छत्तीसगढ़ देश में 8वें, कुल उत्पादन में 9वें तथा प्रति हेक्टेयर उत्पादकता में 6वें स्थान पर है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य दिलाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम में संशोधन किए जाने का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम में संशोधन होने से अन्य प्रदेश के मंडी बोर्ड अथवा समिति के एकल पंजीयन अथवा अनुज्ञेधारी, व्यापारी एवं प्रसंस्करणकर्ता भारत सरकार द्वारा संचालित ई-नाम पोर्टल (राष्ट्रीय कृषि बाजार) के माध्यम से अधिसूचित कृषि उपज की खरीदी-बिक्री बिना पंजीयन के कर सकेंगे, इससे छत्तीसगढ़ राज्य के किसानों और विक्रेताओं को अधिकतम मूल्य मिल पाएगा।

नींबू जैसा दिखने वाला नारंगी फल है कूमकूवाट इससे बनाए जा सकते हैं ये स्वादिष्ट व्यंजन

कूमकूवाट एक छोटा और खट्टा-मीठा फल है, जो अपने अनोखे स्वाद के लिए जाना जाता है। यह विटामिन सी और फाइबर से भरपूर होता है और यह नींबू की तरह दिखता है इसे विशेष रूप से चीनी व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है और भारतीय खान-पान में इसका उपयोग कम होता है।आज के लेख में कूमकूवाट से बनने वाले भारतीय व्यंजनों की रेसिपी जानिए, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं।

कूमकूवाट की चटनी

कूमकूवाट की चटनी बेहद स्वादिष्ट होती है, जिसमें तीखा और मीठा दोनों स्वाद होते हैं। इसे बनाने के लिए कूमकूवाट को छोटे टुकड़ों में काट लें।इसमें गुड़, नमक, लाल मिर्च पाउडर और थोड़ा-सा जीरा डालकर पकाएं। जब तक मिश्रण गाढ़ा न हो जाए, तब तक इसे धीमी आंच पर पकाते रहें।यह चटनी पराठे या रोटी के साथ खाने पर बहुत ही लाजवाब लगती है। इसके अलावा, आप इसे स्नैक्स के साथ भी परोस सकते हैं।

कूमकूवाट का पुलाव

अगर आप साधारण पुलाव से ऊब चुके हैं तो कूमकूवाट पुलाव बनाएं। इसके लिए बासमती चावल को धोकर भिगो दें। अब घी में प्याज और अदरख-लहसुन का पेस्ट भूनें और उसमें कटे हुए कूमकूवाट डालें।इसमें भिगोए हुए चावल डालकर हल्दी, नमक और गरम मसाला मिलाएं। पानी डालकर ढक्कन बंद कर दें और धीमी आंच पर पकने दें, जब तक कि चावल पूरी तरह से पक न जाएं।इस पुलाव की खुशबू आपके खाने का मजा दोगुना कर देगी।

कूमकूवाट का रायता

बूंदी का रायता तो आपने कई बार खाया होगा, लेकिन क्या आपने कभी कूमकूवाट का रायता चखा है? इसे बनाने के लिए ताजा दही लें और उसमें बारीकी से कटे हुए कूमकूवाट मिलाएं।अब इसमें थोड़ा-सा भुना जीरा पाउडर, नमक और हरी मिर्च डालें। इसे अच्छे से मिलाकर ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें।यह रायता किसी भी मुख्य भोजन के साथ परोसा जा सकता है और ऐसे भी खाया जा सकता है।

कूमकूवाट की सब्जी

अगर आप रोजाना वही पुरानी सब्जियां खा-खा कर थक चुके हैं तो कूमकूवाट की मसालेदार सब्जी बनाकर खाएं।इसके लिए सबसे पहले तेल गर्म करें और उसमें प्याज, टमाटर और अदरख-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें, जब तक कि तेल अलग न हो जाएं।अब इसमें कटे हुए आलू और गाजर डालें। थोड़ी देर बाद इसमें कटे हुए कूमकूवाट, हल्दी, धनिया पाउडर, गरम मसाला, नमक और अन्य मसाले मिला दें।पानी डालकर ढक्कन बंद करके धीमी आंच पर पकने दें।

कूमकूवाट का आचार

आचार भारतीय खान-पान का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे कई तरह की सब्जियों से बनाया जाता है। अगर आप नए तरीके का अचार बनाना चाहते हैं तो कूमकूवाट का उपयोग करें।इसके लिए कूमकूवाट को धोकर सुखाएं और इन्हें छोटे टुकड़ों मे काट लें। अब सरसों का तेल गर्म करें और उसमें मेथी, सौंफ और कलौंजी का तड़का लगाएं।कटे हुए कूमकूवाट और मिर्ची पाउडर को मिला दे और धूप में सुखाएं।

लाल लहंगा पहन अमायरा दस्तूर ने दिलकश अदाओं से लूटी लाइमलाइट

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद ही ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपनी मदमस्त अदाएं दिखाकर कहर बरपा रही हैं। एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी खूबसूरती देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। अमायरा दस्तूर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान रेड कलर का बेहद ही स्टाइलिश स्लिपल वर्क लुक में लहंगा पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही शानदार और हॉट नजर आ रही हैं। अमायरा दस्तूर अपनी इन फोटोज में कैमरे के सामने देखते हुए एक से बढ़कर एक पोज देते हुए किलर लुक्स दे रही हैं। एक्ट्रेस की इन अदाओं को देखकर फैंस भी उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज पोस्ट करती हैं तो अक्सर इंटरनेट का पारा गर्म कर देती हैं। अमायरा दस्तूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

एक्सल बार डेडलिफ्ट्स से आपकी पकड़ हो सकती है मजबूत, जानें इसे करने का तरीका

एक्सल बार डेडलिफ्ट्स एक खास एक्सरसाइज है, जो आपकी पकड़ को मजबूत बना सकती है। इस एक्सरसाइज में मोटे बार का उपयोग होता है, जिससे उंगलियों और हाथों की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है।यह एक्सरसाइज न केवल हाथों की पकड़ को मजबूत बनाती है, बल्कि शरीर के अन्य हिस्सों को भी ताकतवर बनाती है।आइए आज के इस लेख में एक्सल बार डेडलिफ्ट्स एक्सरसाइज से जुड़ी अहम बातें जानते हैं।

इस तरह की जाती है यह एक्सरसाइज- एक्सल बार डेडलिफ्ट करने के लिए सबसे पहले सही वजन चुनें, जो आपके लिए उपयुक्त हो। अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई पर रखें और घुटनों को थोड़ा मोड़ें।अब अपने हाथों से एक्सल बार को पकड़ें और धीरे-धीरे खड़े होते हुए इसे ऊपर उठाएं। ध्यान रखें कि आपकी पीठ सीधी रहे और सिर आगे की ओर झुका न हो।जब आप पूरी तरह खड़े हो जाएं, तो कुछ सेकंड रुककर फिर धीरे-धीरे वापस नीचे आएं। जानिए एक्सल बार डेडलिफ्ट करने के फायदे- एक्सल बार डेडलिफ्ट करने से कई फायदे होते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे आपकी ग्रिप स्ट्रेंथ यानी पकड़ने की ताकत बढ़ती है, जो रोजमर्रा के कामों में सहायक होती है।इसके अलावा, यह एक्सरसाइज आपके कंधे, पीठ और पैरों की मांसपेशियों को भी मजबूत बना सकती है।नियमित रूप से इस एक्सरसाइज का अभ्यास करने से आपका शरीर संतुलित रह सकता है और चोट लगने का खतरा कम हो सकता है। इस एक्सरसाइज के दौरान रखें इन बातों का ध्यान-इस एक्सरसाइज के दौरान कुछ सावधानियां बरतना जरूरी होता है, ताकि चोट लगने का खतरा न रहे। सबसे पहले, सही वजन चुनें, जो आपके शरीर के लिए उपयुक्त हो। बहुत ज्यादा या बहुत कम वजन उठाने से बचें।अपनी पीठ को सीधा रखें, ताकि रीढ़ पर अनावश्यक दबाव न पड़े और संतुलन बना रहे। अगर किसी भी प्रकार का दर्द महसूस हो, तो तुरंत रुक जाएं और डॉक्टर की सलाह लें। इसके साथ करें ये अन्य एक्सरसाइज-अगर आप एक्सरसाइज में बदलाव चाहते हैं तो सिंगल आर्म डेडलिफ्ट या स्नैच ग्रिप डेडलिफ्ट्स जैसी विविधताएं आजमाएं। ये एक्सरसाइज अलग-अलग मांसपेशियों पर काम करती हैं और नई चुनौती देती हैं।इसके अलावा, आप इन्हें स्क्वाट या बेंट ओवर रो जैसी अन्य एक्सरसाइज के साथ जोड़ सकते हैं, ताकि पूरे शरीर का विकास हो सके और कसरत में विविधता आ सके।इन बदलावों से आपकी पकड़ की ताकत भी बढ़ेगी और एक्सरसाइज का मजा भी दोगुना होगा।

भोजपुरी फिल्म में बंगाली अभिनेत्री दिया मुखर्जी करेंगी डेब्यू

नए साल में नया धमाल मचाने जा रही बंगाली बाला दिया मुखर्जी ने अब भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम रख दिया है। वह बतौर अभिनेत्री धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। बंगाली फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अदाकारा दिया मुखर्जी ने वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी म्यूजिक कंपनी के साथ एक्सक्लूसिव कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिया है। दिया मुखर्जी जल्द ही वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स की फिल्मों और एल्बम में नजर आने वाली हैं। वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स के एमडी रब्बाकर कुमार ने इस बात की जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट के जरिए दी।

शब्द सामर्थ्य -281

(भागवत साहू)

खाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीस करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सवेरा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 280 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

विधान सभा के दौरे में निकले स्वास्थ्य मंत्री विभिन्न स्थानों में कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर हालचाल जाना

जिले के चहुमुखी विकास के लिए स्थानीय निकायों में भाजपा का कब्जा जरूरी:स्वास्थ्य मंत्री

आगामी चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में भरा जोश कहा ऐसा काम करो की संगठन मजबूर हो टिकट देने को

एमसीबी। जिले के दौरे में निकले स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल झगराखाड़, मनेंद्रगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जनसमस्याओं सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस दौरान सबसे पहले हसदेव मंडल में पूर्व मंडल अध्यक्ष विनोद गुप्ता जी के निवास में क्षेत्र के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीयजनों से आत्मीय भेंट कर चाय पर चर्चा की और उनका हाल-चाल जाना, साथ ही क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और विष्णु देव सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में उपस्थित लोगों से राय मशवरा किया वही आने वाले नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर भी स्थानीय नेताओं, कार्यकर्ताओं से भाजपा के पक्ष में जीत दिलाने के लिए पूरी मुस्तैदी से तैनात होने के गुर बताए उन्होंने आगे कहा कि इस बार चिरमिरी नगर निगम समेत नगर पालिका और नगर पंचायत में भाजपा का कब्जा चाहिए तभी क्षेत्र का चौमुखी विकास हो सकेगा। श्री बिहारी ने आगे कहा कि सुशासन सरकार के कार्यों एवं योजनाओं से ही क्षेत्र में खुशहाली छाई हुई है और इसे बरकरार रखने के लिए आने वाले चुनाव में कांग्रेस का सफाया करना आप लोगो की बड़ी जिम्मेदारी है। भाजपा का एक एक कार्यकर्ता 100 - 100 के बराबर है। टिकट की मांग पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि आप लोग बूथ स्तर, मंडल स्तर और जिले लेबल में आप के नाम की चर्चा हो ऐसा कार्य करे ताकि आपके टिकट को लेकर भाजपा संगठन आप ही को टिकट देने के लिए मजबूर हो। दौरा कार्यक्रम की अगली कड़ी में राजेश्वर सिंह के सुपुत्र विक्रम संग मोनिका के विवाह उपरांत उनके झगराखंड स्थित निवास पर पहुंचे और परिवारजनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी वही मनेंद्रगढ़ पीडब्ल्यूडी रेस्टहाउस में सिद्ध बाबा सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के द्वारा किए गए स्वागत से अभिभूत हुए। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों से विभिन्न विषयों पर बात की और उनका हाल-चाल जाना। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और संगठन के अहम पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला उत्पीड़न पर हुई एकदिवसीय कार्यशाला

भानुप्रतापपुर। शासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर में महिला प्रकोष्ठ द्वारा महिला उत्पीड़न के संदर्भ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ रश्मि सिंह के दिशानिर्देश व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस प्रशांत पैकरा, थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख के सहयोग व उपनिरीक्षक थाना अंतागढ़ हेमलता परिहार के विषय विशेषज्ञ की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

कार्यशाला के संयोजक सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र सुषमा चालकी द्वारा स्वागत उद्बोधन करते हुए उपस्थित छात्रों को महिला प्रकोष्ठ के द्वारा आयोजित महिला उत्पीड़न के संदर्भ में विभिन्न प्रकार के गतिविधियों से अवगत करते हुए जानकारी साझा की। ततपश्चात विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित उपनिरीक्षक हेमलता परिहार द्वारा महिलाओं के ऊपर घटित अपराधों को कैसे रोके व असामाजिक तत्वों को कैसे पहचान करके अपने माता-पिता के साथ अन्य ऐसे व्यक्ति जिन पर भरोसा किया जा सकता है उससे साझा करें अगर आप महाविद्यालय में हो तो आपको सीधे महिला प्राध्यापकों को बताना है। छात्रों को आगे बताये की अगर आप के साथ किसी भी प्रकार की घटनाएं होती है तो उसे हर हाल में बताना ही है आगे आप घटना के बारे में नहीं बताएंगे तो वो व्यक्ति की हौसला और बढ़ेगा फिर आपको ज्यादा परेशान करने लगेगा और यह घटना बड़ी घटना भी बन सकता है। इससे बहेतर है कि आप अपने साथ घटित परेशानियों को बताए किसी के माध्यम से भी पुलिस तक पहुँचे फिर आगे की कार्य पुलिस करेगा। पुलिस आपकी जानकारी पूरी तरह से गोपनीय रखकर कार्य करेगी। किसी भी अपराध को खत्म करने के लिए जब तक आप सब पुलिस के साथ मिलकर कार्य नहीं करोगे तब तक हम एक बेहतर समाज के निर्माण में अपना योगदान नहीं दे सकते। कार्यशाला के अंत में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित परिहार को संयोजक महिला प्रकोष्ठ एवं संस्था के वरिष्ठ प्राध्यापक द्वय श्यामानंद डहेरिया, रमेश कुमार दर्रो, क्रीड़ाधिकारी चेतन श्रीवास्तव द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टाफव बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थी।

तेंदुआ-भालू के खाल और मांस की बिक्री करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। रामानुजगंज वन परिक्षेत्र में तेंदुआ और भालू के खाल और मांस की अवैध बिक्री करने वाले दो आरोपियों को उड़ानदस्ता टीम ने गिरफ्तार किया है. इसके अलावा वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र में हाथी दांत की बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहे तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, बलरामपुर वन मंडल के विभिन्न क्षेत्रों से वन्य प्राणियों के खाल और हाथी दांत की तस्करी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं. इसके बाद सरगुजा उड़नदस्ता टीम ने क्षेत्र में दबिश दी और वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जो हाथी दांत की बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहे थे.वहीं रामानुजगंज वन परिक्षेत्र में भी उड़नदस्ता टीम ने तेंदुआ और भालू के चमड़े और मांस की अवैध बिक्री में लिप्त दो आरोपियों को पल्सर और स्कूटी वाहनों के साथ पकड़ा. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल कुमार (रहवासी बभनी, जिला सोनभद्र, उत्तर प्रदेश) और रामबचन (रहवासी पुरानीडीह, रामानुजगंज) के रूप में हुई है. उड़नदस्ता टीम ने आरोपी तस्कर अनिल कुमार से पल्सर वाहन क्रमांक 0806 और रामबचन से स्कूटी क्रमांक 1027 को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

युवक पर लाठी-डंडा से हमला कर दुकान को पहुंचाया नुकसान, जुर्म दर्ज

रायपुर। मोतीनगर टिकरापारा में पूर्व विवाद को लेकर 5-6 लोगों ने एक राय होकर दुकान में जबरन प्रवेश कर तोड़फोड़ किए और दोपहिया वाहन को नुकसान पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अली हुसैन 40 वर्ष कविता नगर टिकरापारा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी सोहेल, जिबरान सैफ, आमीर, सद्दाब व अन्य ने एक राय होकर प्रार्थी के दुकान में आया और तोड़फोड़ कर दुकान के बाहर खड़ी दोपहिया वाहन को क्षतिग्रस्त किया। प्रार्थी की शिकाय पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

युवती से दुष्कर्म कर वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

रायपुर। युवती से दुष्कर्म कर वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया के परिचित आरोपी दीपक शर्मा ने उसे अपने परिवार वालों से मिलवाने के लिए अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म कर वीडियो बना लिया। जिसके बाद आरोपी ने पीड़िता को वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए 90 हजार रुपए की मांग किया। प्रार्थिया की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने आरोपीी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से नकदी सहित लाख का जेवर पार

रायपुर। हर्ष विहार कालोनी दलदल सिवनी स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने आलमारी में रखे नकदी 1 लाख 93 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर व अन्य सामान पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आशीष रंजन 40 वर्ष हर्ष विहार कालोनी दलदल सिवनी का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और आलमारी में रखे नकदी 1 लाख 93 हजार रुपए सहित सोने-चांदी के जेवर, बर्तन पार कर दिए। चोरी गए जुमला कीमती करीब 8 लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

घर के बाहर खड़ी बाइक पार

रायपुर। ग्राम छतौद में घर के बाहर खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दी। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आनंदी राम कुर्रे 49 वर्ष केवतरा नेवरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 केवाय 2674 को ग्राम छतौद में अपने रिश्तेदार के घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, दो की मौत

दुर्ग। जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में मेडेसरा पावर ग्रिड के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा रात करीब 11.30 बजे हुआ, जब कार तेज रफ्तार में सड़क किनारे लगे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई, और वह पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। घटना में मृतक कार चालक अमित ताम्रकार (30 साल) और उनके साथी आदित्य कसेर (33 साल) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अन्य दो साथी अनीश ताम्रकार और सुधांशु ताम्रकार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तुंरत राहत और बचाव कार्य शुरू किया और घायल व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाया। कार में लगी आग इतनी भयंकर थी कि कार पूरी तरह से जल गई, और पेड़ भी जलकर राख हो गया। आसपास के लोगों ने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर घटना की सूचना दी और एंबुलेंस को बुलवाया। घायल व्यक्तियों को दुर्ग जिला अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां अमित और आदित्य को मृत घोषित कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल अनीश और सुधांशु को भिलाई स्थित श्री शंकराचार्य अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना दुर्ग और धमधा रोड पर स्थित ग्राम मेडेसरा के पास हुई, जहां इस समय हादसे की वजह से सड़कों पर यातायात प्रभावित हो गया था।

कचहरी चौक में मिली अज्ञात युवक की लाश

रायपुर। राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित एसबीआई एटीएम के पास देर रात एक अज्ञात युवक की लाश पाई गई। शव पर कई चोटों के निशान थे, और प्रथम दृष्टया यह माना जा रहा है कि युवक की मौत शराब के नशे में गिरने से आई चोटों के कारण हुई है। मौदहापारा थाना क्षेत्र के टीआई ने बताया कि मृतक को शराब के नशे में मेकाहारा अस्पताल में रात करीब 12 बजे भर्ती कराया गया था। लेकिन बाद में वह अस्पताल से भाग निकला। रात करीब 2 बजे पेट्रोलिंग टीम ने उसे गिरते हुए देखा था। सूचना मिलने के बाद 112 की टीम ने शव को बरामद किया। घटनास्थल पर न तो खून का कोई निशान मिला और न ही मृतक के कपड़ों पर खून था।

6 टीआई के साथ 3 एसआई का हुआ तबादला

रायपुर। पुलिस मुख्यालय रायपुर से 6 निरीक्षक और 3 उप निरीक्षकों का तबादला आदेश जारी किया गया है। आदेश में 6 निरीक्षक और 3 उप निरीक्षकों का नाम है। जिन्हे प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तबादला किया गया है। पुलिस मुख्यायल द्वारा जारी तबादला आदेश में विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय में पदस्थ निरीक्षक विजय कुमार राठौर को दंतेवाड़ा जिला, दिव्यकांत पांडेय को बलरामपुर, दिलीप कुमार पटेल को राजनांदगांव, दीपक साहू का बीजापुर तबादला किया गया है।

खौलते लावा में गिरे 2 क्रेन ऑपरेटर, मौत

रायपुर। सिलतरा स्थित हिंदुस्तान कॉइल्स लिमिटेड प्लांट में बड़ा हादसा हुआ है। प्लांट में क्रेन से खौलते लावा में गिरने से 2 मजदूर जिंदा जल गए। हादसा शनिवार देर रात हुआ। सिलतरा चौकी के प्रभारी सब इंस्पेक्टर बालेश्वर लहरे के अनुसार रात 12.30 बजे के आस-पास यह हादसा हुआ। हिंदुस्तान कॉइल लिमिटेड कंपनी लोहे की प्लेट, एंगल और ब्लेड बनाने का काम करती है। क्रेन में गर्म लोहे के लावे को एक जगह से दूसरी जगह ट्रांसफर किया जा रहा था। ट्रांसफर का काम चल ही रहा था, तभी क्रेन टूट कर जमीन पर गिर गई।

रांपा धान खरीदी केन्द्र में प्रबंधक की तानाशाही

उपार्जन केंद्र में हम्माली करने को विवश अन्नदाता

कृषकों को नहीं मिल रही किसी प्रकार की सुविधा

जनकपुर। एमसीबी जिले के भरतपुर ब्लाक अंतर्गत रांपा धान खरीदी केंद्र में प्रबंधक द्वारा मजदूरों को काम पर नहीं लगाया गया है, परिणाम स्वरूप रांपा उपार्जन केंद्र में धान बेचने आ रहे किसानों को ही विवशता में हम्माली करनी पड़ रही है। मज़बूरीवश किसानों को अपने लाए हुए धान को स्वयं ही केंद्र से मिले बारदानों में धान की पलटी कर, सिलाई करके छल्ली लगाना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदारों ने सब जानने के बाद भी अपनी आंखे बंद रखी हुई है। धान खरीदी के लिए शासन द्वारा जारी किया गया दिशा निर्देश की जानकारी क्षेत्र के किसानों को नहीं होने का पूरा फायदा रांपा उपार्जन केंद्र का प्रबंधक अरविन्द पांडेय द्वारा उठाया जा रहा है। यहां प्रबंधक के तानाशाही का आलम यह है कि उपार्जन केंद्र में बारदाना और टोकन के लिए किसान घंटो इंतजार करते रहते हैं। रांपा धान खरीदी केन्द्र में प्रबंधक द्वारा न तो किसानों के बैठने के लिए व्यवस्था किया है और न ही पीने के पानी की सुविधा की गई है। रांपा खरीदी केंद्र में इन तमाम कमियों के कारण किसानों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस मामले में अभी तक जिम्मेदार प्रशासन द्वारा गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। किसानों ने बताया कि रांपा उपार्जन केंद्र में यह समस्या हर साल होती है जिसके कारण हम किसान खुद ही मजदूर व सूजा, सुतली, तौल के लिए कांटा स्वयं लेकर आते हैं और यहां का सारे कार्य करते हैं। किसानों ने बताया ट्रेक्टर से धान उतार कर बारदाना मे भरते हैं, उसके बाद खुद ही तौल करते हैं, तौल करने के बाद धान से भरे बारदाने को कंधे पर उठाकर छल्ली लगाते हैं।

प्रबंधक की तानाशाही

धान की खरीदी के लिए रांपा उपार्जन केंद्र में प्रबंधक अरविन्द पांडेय को लगाया गया है, पर इसकी तानाशाही रवैया कम नहीं दिख रहा है। जिस वजह से किसानों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थिति यह है कि किसानों को केंद्र में सूजा, सुतली व कांटा तक नहीं मिलता है। रांपा उपार्जन केंद्र में धान की खेप लाने वाले किसान स्वयं से सूजा, सुतली, कांटा व मजदूरों लेकर आते है, और काफी मशक्कत करने के बाद केंद्र से मिले बारदाना में धान की पलटी कर सिलाई व तौल कर, लाट में छल्ली लगा रहें है। किसानों को कथित प्रबंधक द्वारा किसी प्रकार की सुविधा केन्द्र में नहीं दी जा रही है। यहाँ न तो बैठने की व्यवस्था और न ही पीने के पानी की सुविधा की गई है।

किसानों को नहीं मिल रही सुविधा

शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान क्रय बिक्रय के लिए भले ही किसानों के हित में व्यवस्था बनाई गई है, ताकि धान बिक्रय के लिए केंद्र में आने वाले किसानों को किसी भी तरह की असुविधा न होने पाए और जिले के कलेक्टर के द्वारा भी सख्त निर्देश दिया गया है कि किसानों को खरीदी केंद्रों में किसी भी तरह की कोई परेशानी नही होनी चाहिए। लेकिन जिले के रांपा उपार्जन केंद्र में किसानों का लगातार शोषण हो रहा है। यहाँ किसानों को किसी तरह की कोई सुविधा नहीं दी जा रही, यहां तक कि पीने का पानी तक किसानों को नहीं मिल पा रहा है। वारदाना व टोकन के लिए भी किसानों को केंद्र में घंटों इंतजार करते हुए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं किसानों का कहना है कि धान की उपज हमारा है और बिक्री करना है, इसलिए हम लोग उपार्जन केंद्र का सारा कम मज़बूरी में स्वयं करते है।

उप मुख्यमंत्री ने सड़क एवं सेतु कार्य की नवीन दर अनुसूची का किया विमोचन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने आज सड़क एवं सेतु कार्य की नवीन दर अनुसूची का विमोचन किया। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा 2015 से प्रचलित पुराने एसओआर को अद्यतन किया गया है। नए एसओआर में नई मशीनरी और निर्माण की नई तकनीकों को भी शामिल किया गया है। इनसे गुणवत्तापूर्ण कार्यों के साथ ही ठेकेदारों का वित्तीय जोखिम कम होगा। राज्य में 1 जनवरी 2025 से नया एसओआर लागू होगा। सड़कों के प्रभावी संधारण के लिए छत्तीसगढ़ में भी पी.बी.एम.सी./ओ.पी.आर.एम.सी.लागू किया जाएगा। इसके लिए विभाग द्वारा जल्दी ही पायलेट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नए एसओआर के विमोचन के मौके पर आयोजित प्रेस-कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उन्हें समय-सीमा में पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नए एसओआर के लागू होने के बाद इनमें और आसानी होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रचलित एसओआर 1 जनवरी 2015 से लागू है। उस समय इसमें 2014 में प्रचलित श्रमिकों की दर, सामग्री की दर एवं मशीनरी की दर शामिल की गई थी, जिनमें अब दस वर्षों के बाद बहुत अधिक परिवर्तन आ चुका है। नवीन दर अनुसूची वर्तमान में प्रचलित श्रमिकों की दर, सामग्रियों की दर एवं मशीनरी की दर के आधार पर तैयार किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बताया कि वर्ष-2015 में जारी की गई दर अनुसूची उस समय प्रचलित सभी टैक्सेस को समावेशित करते हुये तैयार की गई थी। नए एसओआर में देश में 1 जुलाई 2017 से लागू जी.एस.टी. को समाहित किया गया है। ठेकेदार अपनी निविदा दर जी.एस.टी. सहित देंगे जिससे ठेकेदार को पृथक से जी.एस.टी. का भुगतान नहीं करना होगा, परन्तु कार्य की लागत में जी.एस. टी. का प्रभाव सम्मिलित रहेगा। दरों को जी.एस.टी. के प्रभाव के बिना रखे जाने से समय-समय पर जी.एस.टी. की दरों में होने वाले परिवर्तन के कारण ठेकेदार को कार्य करने में जोखिम नहीं रहता है। जी.एस.टी. का प्रभाव सम्मिलित प्रचलित जी.एस.टी. की दरों को प्राक्कलन में जोड़ा जाएगा। ऐसा करने से ठेकेदारों पर वित्तीय जोखिम नहीं आएगा। श्री साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में बताया कि विगत 10 वर्षों में कई नवीन तकनीक, नए मटेरियल एवं आई.आर.सी. द्वारा विभिन्न कार्यों की कार्यविधि में परिवर्तन किया गया है। इन नवीन तकनीकों और मटेरियल्स के उपयोग का प्रावधान भी नवीन एस.ओ.आर. में किया गया है। इनमें सीमेंट एवं केमिकल से स्वाइल स्टेबलाईजेशन, पेव्हमेंट व्हाइट टॉपिंग, रोड साइनेज में एल्युमिनियम कम्पोजिट मटेरियल शीटिंग का उपयोग, प्रीकास्ट आर.सी.सी. ड्रेन, प्रीकास्ट बाक्स कल्वर्ट, फाउंडेशन कार्य में आर.सी.सी. के उच्च ग्रेड एम-40, एम-45, एम-50 का उपयोग, सब-स्ट्रक्चर कार्य में प्री-स्ट्रेसिंग, बम्बू क्रैश बैरियर और नॉइज बैरियर जैसी नई चीजें शामिल हैं। श्री साव ने बताया कि नवीन दर अनुसूची लागू होने से निर्माण कार्यों के डी.पी.आर./प्राक्कलन में कार्य लागत का आंकलन वास्तविक होगा एवं कार्यों हेतु प्रशासकीय स्वीकृति की जाने वाली राशि कार्य करते समय पुनरीक्षित स्वीकृति की आवश्यकता कम होगी। कार्यों की गुणवत्ता एवं समय-सीमा में पूर्ण करने में सार्थक परिणाम मिलेगा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बताया कि सड़कों के संधारण के लिए वर्तमान पद्धति में सड़क के वर्षा ऋतु में क्षतिग्रस्त होने की संभावना के अनुसार पूर्वानुमान लगाकर निविदाएं आमंत्रित कर ठेकेदारों का चयन कर संधारण कार्य किया जाता है। कई बार ऐसी स्थिति होती है कि सड़क खराब रहती है, परन्तु संधारण हेतु एजेंसी उपलब्ध नहीं होने के कारण सड़कों के गड्ढे भरने एवं संधारण में विलम्ब होता है। कई बार एजेंसी निर्धारित होने के बाद भी ठेकेदार द्वारा संधारण कार्य समय पर नहीं करने के कारण भी सड़कें गड्ढायुक्त एवं क्षतिग्रस्त रहती हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा कई राज्यों के लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों के संधारण हेतु पी.बी.एम.सी. ओ.पी.आर.एम.सी. पद्धति से सड़कों का संधारण कार्य किया जा रहा है। इसके संधारण हेतु सड़कों का चयन कर 5 वर्ष से 7 वर्ष तक लगातार संधारण हेतु एक ही एजेंसी निर्धारित की जाती है एवं सड़क खराब होने पर या आकस्मिक किसी तरह का सुधार/अति क्षति होने पर सुधार कार्य हेतु निर्धारित एजेंसी द्वारा अनुबंधित निर्धारित समय-सीमा में सड़क का सुधार कार्य किया जाता है। सड़क का नियमित संधारण भी ठेकेदार द्वारा समय-सीमा में किया जाता है। यदि ठेकेदार निर्धारित समय-सीमा में सड़क सतह सुधार का कार्य नहीं करते हैं तो प्रत्येक दिन विलम्ब हेतु पेनाल्टी का भी प्रावधान है। इस प्रक्रिया की मॉनिटरिंग ऑनलाइन भी की जाती है, जिससे सड़क कहां-कहां पर अच्छी या खराब स्थिति में है, यह कंट्रोल रूम में बैठकर ही देखा जा सकता है। छत्तीसगढ़ में भी इस पद्धति से कार्य करने का निर्णय लोक निर्माण विभाग द्वारा लिया गया है। जल्दी ही पायलेट आधार पर कुछ जिले चयनित कर इसे लागू किया जाएगा। पायलेट प्रोजेक्ट्स के सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने पर पूरे राज्य में सड़कों के संधारण के लिए इसे लागू किया जाएगा।

खनिज का अवैध परिवहन करते 21 वाहन जब्त

रायपुर। जिले में इस बार खनिज विभाग पूरी तरह से मुस्तैद दिखाई दे रही है। 15 अक्टूबर के बाद से क्षेत्र में सघन दौरा कर रेत, मुरूम, गिट्टी जैसे बेशकीमती खनिजों के अवैध कारोबार पर लगातार कार्रवाई कर रही है। वहीं, बीते दो दिनों में खनिज विभाग ने रायपुर कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर उप संचालक केके गोलघाटे और खनिज अधिकारी चेरपा के मार्गदर्शन एवं प्रभारी खनिज निरीक्षक रघुनाथ भारद्वाज के नेतृत्व में रात्रिकालीन गश्त कर बिना रॉयल्टी पर्ची के खनिजों का अवैध परिवहन करते 21 वाहनों को जब्त कर जुर्माना लगाया गया है।

इंस्पेक्टर ने खुद को मारी गोली...थाने में नहीं सुनी शिकायत

रायपुर। नवा रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में तैनात कंपनी कमांडेंट ने खुद को गोली मार कर अपनी जान दे दी। इस मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि इंस्पेक्टर की दो दिन पहले अपने सहकर्मी पुलिस वाले से विवाद हुआ था। दोनों के बीच मारपीट हुई थी जिसके बाद अनिल सिंह गहरवाल ने इसकी शिकायत राखी थाने में की थी। हालांकि इस मामले में कोई भी एक्शन नहीं लिया गया।

विवादित पौधारोपण और बोरवेल खनन के मामले में हुई जांच, पाई गई कमियां

पसान परिक्षेत्र से संबंधित है प्रकरण

-तरुण मिश्रा-

कोरबा। कटघोरा वनमंडल के अंतर्गत पसान परिक्षेत्र में पिछले वर्षों में मनमाने ढंग से कराए गए पौधारोपण और बोरवेल का मामला अब संबंधितों के लिए गले की हड्डी बन गया है। चौतरफा दबाव पड़ने के बाद आखिरकार इसमें जांच बैठाई गई। यह प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। कहा जा रहा है कि पूरी व्यवस्था को गड्डमड्ड बनाने में जिनकी भूमिका खास रही वे नप सकते हैं।

कोरबा जिले में वन विभाग के द्वारा कराए जाने वाले अनेक कार्य पिछले वर्षों में सुर्खियों में रहे और इसकी आंच ने कुछ अधिकारियों और कर्मियों को बुरी तरह से झुलसाया। वर्ष 2024 की समाप्ति से पहले पसान वन परिक्षेत्र से जुड़े हुए ऐसे ही एक मामले की जांच पूरी कर ली गई। उसकी

रिपोर्ट भी तैयार हो गई। इसके साथ अब अगली कार्यवाही प्रतीक्षित है। खबर के अनुसार पिछले वर्षों में पसान परिक्षेत्र में सरकारी योजना के अंतर्गत सीपतपारा पिपरिया में वृहद पौधारोपण कराया गया था। सागौन सहित कई प्रजाति के पौधे यहां लगाए गए। प्रावधान के तहत हर हाल में इन्हें सार-संभाल करते हुए बचाना था ताकि इनका व्यवसायिक उपयोग सुनिश्चित हो सके। जिन्हें निगरानी और संरक्षण का जिम्मा दिया गया उन्होंने लापरवाही की। इस स्थिति में विभाग की मंशा पर पानी तो फिरा ही बल्कि 80 फीसदी पौधे खराब हो गए। यानि मौके पर कुल लगाए गए पौधों की 20 फीसदी मात्रा ही बचाई जा सकी। इसे अपने आप में गंभीर माना गया। इस पर न केवल सवाल खड़े हुए बल्कि जांच की मांग तेज हुई। उक्तानुसार अधिकारियों को तत्परता दिखाना जरूरी हो गया। जानकारी मिली कि सीपतपारा पिपरिया में जो काम कराया गया उसमें पारदर्शिता के अलावा कई चीजों का अभाव रहा। पौधों को अनुकूल वातावरण नहीं मिल सका और वे बहुत जल्द समाप्त हो गए। इस प्रकरण में कुल मिलाकर वन विभाग और सरकार की धन राशि जाया हुई। इसके अलावा पौधारोपण कार्यक्रम से वह उद्देश्य साबित नहीं हो सका, जिसकी पूर्ति की जानी थी। बताया गया कि इसी परिक्षेत्र में मनमाने तरीके से 21 बोरवेल का खनन भी करवाया गया और भारी-भरकम राशि खर्च की गई। यह काम तब हुआ जबकि बोरवेल को संचालित करने के लिए बिजली की व्यवस्था ही नहीं थी। आनन-फानन में ट्रायल के तौर पर चार दिन के लिए जनरेटर की व्यवस्था की गई और उसके बाद सबकुछ गड्डमड्ड हो गया। इससे पता चलता है कि वन विभाग के कामों का स्तर कैसा होता है।

राशि की होगी रिकवरी

पसान वन परिक्षेत्र से संबंधित मामलों को लेकर वन विभाग के द्वारा जांच कराई गई है। इसमें कई बिंदुओं को शामिल किया गया। जांच के दौरान कई तरह की कमियां स्पष्ट रूप से पाई गई। जांच रिपोर्ट प्राप्त हो गई है जिसे फिलहाल डिस्क्लोज नहीं किया जा सकता। लेकिन इतना तय है कि इस मामले में जवाबदेही भी तय होगी और राशि की रिकवरी संबंधितों से होगी।

चंद्रकांत टिकरिया, एसडीओ, वन पाली

नगर पालिक निगम कोरबा के वर्तमान कार्यकाल की अंतिम सामान्य सभा सोमवार को निगम ऑडिटोरियम में रखी गई। भाजपा पार्षदों ने कई कारण और तर्क देते हुए सामान्य सभा में उपस्थिति दर्ज कराने से पहले महापौर के घोटालों की बारात वाले पोस्टर के साथ प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि एक तो सामान्य सभा विलंब से कराकर मनमानी की गई और कई मामलों को दबाने का प्रयास किया गया।

एसईसीएल कार्यसमिति की बैठक आज

कोरबा। एसईकेएमसी एसईसीएल कार्यसमिति की बैठक आज आयोजित की गई है, जिसमें केन्द्रीय अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह, महामंत्री प्रीतम पाठक, संदीप चौधरी, कमलेश शर्मा सहित सभी एरिया के पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक में आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिए जाएंगे। बैठक को सफल बनाने में गोपाल यादव, विकास शुक्ला, छंदराम राठौर, एनके सिंह, राजू सोनी, दिलीप सिंह, दिनेश साहू, किशोर सिन्हा, प्रमोद बेनर्जी, भागवत सिंह, नवीन सिंह, मनोज कटेलिहा, सोनू पटेल सहित अन्य कार्यकर्ता लगे हुए हैं।

पोक्सो एक्ट के आरोपी को भेजा जेल

कोरबा। सीएसईबी चौकी पुलिस ने पोक्सो एक्ट से संबंधित एक मामले में आरोपी को जिला जेल भेज दिया है। उसके विरुद्ध युवती से छेड़छाड़ किए जाने को लेकर प्रकरण दर्ज किया गया।

कोरबा के बुधवारी क्षेत्र में इस घटनाक्रम को अंजाम देने पर आसपास के लोगों ने युवक को दबोच दिया और फिर उसे मौके पर धुन दिया। आरोप है कि युवक के द्वारा कथित रूप से एक युवती से छेड़छाड़ की गई और अभद्र व्यवहार किया गया। जानकारी होने पर लोगों की भीड़ लग गई और फिर उसने युवक को कड़ा सबक सिखाया। बाद में सीएसईबी पुलिस यहां पहुंचे और युवक को अपने कब्जे में लिया। चौकी प्रभारी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

साधकों ने शिविर में भाग लिया

कोरबा। सिद्धाश्रम साधक परिवार के द्वारा बिलासपुर में साधना शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के सैकड़ों साधकों ने भाग लिया। गुरूदेव कैलाशचंद श्रीमाली के द्वारा प्रवचन व गुरूदीक्षा प्रदान की गई। घनश्याम बरेठ ने बताया कि व्यापार विहार में आयोजित इस साधना शिविर में छत्तीसगढ़ के साधकों ने भाग लिया।

सागौन बाड़ी में जयंती समारोह आज

कोरबा। मानिकपुर स्थित सागौन बाड़ी में गुरूघासीदास जयंती समारोह का आयोजन आज किया गया है। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में सतनाम कल्याण समिति के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष नारायण कुर्रे, सरजू अजय सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। इसी तरह सुभाष ब्लाक कालोनी में भी जयंती समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के श्रम मंत्री लखन देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि सिस्टा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरपी खांडे, प्रदेश सचिव सुनीता पाटले, पूर्व पार्षद सुशील गर्ग, धन कुमारी गर्ग, केपी पाटले, भगत कुर्रे सहित अन्य नेता मौजूद थे।

शिविर लगाकर बनाए जा रहे आयुष्मान कार्ड

कोरबा। 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को सभी प्रकार की चिकित्सा निःशुल्क देने की घोषणा सरकार ने की है। आयुष्मान योजना से यह काम होना है। नगरीय निकायों में वार्ड स्तर पर शिविर लगाने के साथ यह काम किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग को क्रियान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है। संबंधित लोगों को सरकारी और इम्पैनल निजी अस्पतालों में उपचार की सुविधा दी जानी है। बताया गया कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत

चिकित्सा खर्च की राशि का कोई मानक नहीं है। क्योंकि उन्हें निःशुल्क रूप से इसका लाभ देना है। संबंधितों को योजना से लाभान्वित होने के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है।

अच्छी यादों को नहीं भूल पाएंगे खिलाड़ी

कोरबा। 68वीं राष्ट्रीय शलेय नेटबॉल प्रतियोगिता कोरबा में संपन्न हो गई। 18 राज्यों के 936 खिलाड़ी और 600 से ज्यादा ऑफिशियल इसमें शामिल हुए। कई मैदानों में यह प्रतियोगिता कराई गई जिसमें खिलाड़ियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। कौशल के आधार पर टीमें विजेता और उपविजेता बनीं। समापन समारोह में उन्हें पुरस्कृत किया गया। मीडिया से बातचीत करते हुए खिलाड़ियों ने बताया कि कोरबा अच्छा शहर है लेकिन प्रदूषण की समस्या कुछ ज्यादा है। वे अच्छी यादों के साथ अपने प्रदेश लौट रहे हैं।

रांची मार्ग पर 2 ट्रेलर भिड़े, मार्ग हुआ बाधित

कोरबा। उरगा-हाटी रांची मार्ग पर आज सुबह 2 ट्रेलर के आपस में टकराने की घटना हुई। इस वजह से कुछ घंटे के लिए यह रास्ता बाधित हो गया। पुलिस की जानकारी मिलने पर उसने संसाधन की व्यवस्था कराई और अवरोध को हटाया। इसके साथ आवागमन सामान्य कर लिया गया। पुलिस निरीक्षक कृष्ण कुमार वर्मा ने बताया कि घटना में किसी प्रकार की जानकारी नहीं हुई है।

कोरबा जिले के अंतर्गत भारतमाला परियोजना को कनेक्ट करने वाले हाईवे पर नोनबिरा के पास सुबह 5 बजे यह घटना हुई। पुलिस ने बताया कि हाईवे पर पहले से एक ट्रेलर खड़ा हुआ था, जिसे पीछे से आ रहे दूसरे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इसके नतीजन वाहनों की स्थिति बिगड़ गई और इसके चक्कर में यहां जाम लग गया। बताया गया कि कई घंटे रास्ते पर जाम की स्थिति निर्मित हुई। आवाजही करने वाला वर्ग परेशान हुआ। पुलिस ने बताया कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आवश्यक प्रयास करने के साथ दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को यहां से हटाया गया और आवागमन बहाल कर लिया गया।

वट और पीपल वृक्ष की परिक्रमा कर मातृशक्ति ने बांधा रक्षा सूत्र

कोरबा। सोमवती अमावस्या का यह पर्व भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कोरबा और उपनगरीय क्षेत्र में महिलाओं द्वारा पीपल और वट वृक्ष की पूजा और परिक्रमा करना, इन वृक्षों की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। मौली धागा बांधकर रक्षा और कल्याण की कामना करने की परंपरा गहरी आस्था और प्रकृति के प्रति सम्मान को उजागर करती है।

इसके साथ ही, पवित्र नदियों में स्नान और दान की परंपरा भी इस पर्व का एक अहम हिस्सा है। यह न केवल आत्मशुद्धि का प्रतीक है बल्कि सामाजिक कल्याण और दानशीलता को बढ़ावा देता है। मंदिरों में जाकर भगवान की पूजा-अर्चना और सर्व कल्याण के लिए प्रार्थना करना इस दिन की विशेषता है।

ऐसी परंपराएं न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यह समाज में सामूहिकता और आध्यात्मिकता को भी बढ़ावा देती हैं। सोमवती अमावस्या पर इस प्रकार के आयोजन, धार्मिकता और संस्कृति की जड़ों को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

एसईकेएमसी में कई श्रमिक शामिल

कोरबा। कल एसईसीएल गेवरा एसईकेएमसी कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें केन्द्रीय अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह उपस्थित थे। लगभग 17 श्रमिकों ने एसईकेएमसी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान अध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि संगठन के कार्यों को देखते हुए कोयला कामगार एसईकेएमसी से प्रभावित है। आने वाले दिनों में और भी श्रमिक संगठन में शामिल होंगे। बैठक को विकास शुक्ला, छंदराम राठौर, उमापी सिंह, सीताराम साहू, राहुल मिश्रा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने संबोधित किया।

सिख समाज ने सफर-ए-शहादत पर निकाली प्रभात फेरी

कोरबा। एक राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत स्थानीय सिख समाज के द्वारा सफर ए शहादत पर विभिन्न क्षेत्रों में प्रभात फेरी निकाली गई। बड़ी संख्या में समाज के लोगों की भागीदारी इस कार्यक्रम में हुई।

30 दिसंबर को इस अभियान का अंतिम दिवस था, जिसकी शुरुआत इसी महीने 22 दिसंबर से की गई थी। सिख धर्म के दसवीं और अंतिम गुरु गोविंद सिंह के परिवार की शहादत ऐतिहासिक कार्यक्रम के दौरान सिर्फ 6 दिन के भीतर हो गई थी। धर्म की रक्षा के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया था। लगातार इन घटनाओं को अलग-अलग परिप्रेक्ष्य में स्मरण करने के साथ लोगों को याद कराया जा रहा है कि धर्म का हमारे जीवन में क्या महत्व है और इसकी रक्षा के लिए प्रतिबद्धता क्यों आवश्यक है। 22 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की परंपरा भारत सरकार के द्वारा 3 वर्ष पहले की गई जिसके साथ अब सभी क्षेत्रों में सफर ए शहादत के अंतर्गत सिख समाज ने। कार्यक्रम किया। कोरबा के शारदा विहार अमरियापारा क्षेत्र में सिख समाज की इस प्रभात फेरी के माध्यम से गुरु के संदेश को प्रसारित किया गया।

बूथों का दौरा करेंगे मंडल अध्यक्ष

कोरबा। भाजपा के सभी मंडलों में नए अध्यक्ष बनाये गए हैं। वे अपने प्रतिनिधियों के साथ सभी बूथों का दौरा करेंगे। कटघोरा मंडल अध्यक्ष अभिषेक गर्ग ने बताया कि सभी बूथों में बैठक लेकर वरिष्ठ भाजपाइयों से सलाह मशवरा किया जा जाएगा ताकि संगठन मजबूत हो सके। भिलाई बाजार मंडल के अध्यक्ष दिनेश राईन ने बताया कि पिछले दिनों अटल जयंती के अवसर पर सभी बूथों में कार्यक्रम हुए थे। बूथों के कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जा रहा है। कोसाबाड़ी नगर मंडल के अध्यक्ष राजेश राठौर ने कहा उसके मंडल के सभी वरिष्ठ भाजपाइयों को लेकर संगठन को और मजबूत किया जाएगा। पिछले दिनों हुए कार्यक्रम में सभी वरिष्ठजनों को बुलाया गया था। दीपका नगर मंडल के अध्यक्ष राजू प्रजापति व प्रतिनिधि सूर्यप्रकाश शर्मा द्वारा सभी बूथों में कार्यक्रम आयोजित किये गए थे। आने वाले दिनों में सभी बूथों का दौरा किया जाएगा।

पुनरीक्षित दर पर किराया नहीं दे सकेंगे कारोबारी

कार्मिक प्रबंधक को बताया इसकी वजह

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के गेवरा क्षेत्र में स्थित दुकानो का संचालन करने वाले कारोबारी ने इस बात पर आपत्ति दर्ज कराई है कि प्रबंधन इन दुकानों का किराया अब पुनरीक्षित दर पर लेने की मानसिकता में है। जबकि कई करण से व्यवसाईयों के सामने चुनौतियां हैं। गेवरा क्षेत्र के कार्मिक प्रबंधक को पत्र के माध्यम से संबंधित लोगों ने बता दिया है कि पूर्व निर्धारित दर से किराया भुगतान किया जा सकेगा।

बताया गया कि शॉपिंग कॉप्लेक्स के व्यवसायिकों को गेवरा क्षेत्र की ओर से पत्र क. एसईसीएल / मप्र / गेवरा क्षेत्र/कार्मिक/2024/3099 दिनांक 08/12/2024 दिया गया था जिसमें नवीन दर पर किराया देने की बात कही गई। इसके जवाब में लोगों ने कहा है कि वे सभी एस.ई.सी.एल. शॉपिंग सेन्टर में दुकान का संचालन विगत लगभग (40) वर्षों से करते आ रहे है और व्यापारिगण नियत समय पर किराया का भुगतान जी.एस.टी. एवं पेनाल्टी के साथ करते आ रहे हैं. किन्तु कंपनी द्वारा आज दिनांक तक किसी भी प्रकार का रिपेरिंग / मेंटनेस आदि नहीं किया गया हैं। जिसके कारण दुकान का छत एवं दिवार टूट कर गिर रही थ।. जान-माल के नुकसान को देखते हुये हम सभी व्यापारिगण स्वयं के खर्च से दुकान का मरम्मत आदि करवाया हैं ताकि जान-माल की सुरक्षा की जा सके अर्थात आमदनी से अधिक खर्च हो चुका है। इह गया कि कोरोना काल से व्यापारियो की स्थिति/परिस्थिति गंभीर हैं। शॉपिंग सेन्टर में कई छोटे-बड़े व्यापारिगण अपना जीविका उपार्जन के साथ कंपनी के कर्मचारियो एवं अधिकारियो को सेवा निरंतर कई वर्षो से प्रदान करते आ रहे हैं। जिस समय गेवरा क्षेत्र का विस्तार किया जा रहा था, उक्त समय में कर्मचारियो की सुविधा को ध्यान में रखते हुये शापिंग काम्पलेक्स का निर्माण किया गया, जो कि एक बन्द मार्केट हैं/खुला मार्केट नही, बाहरी लोगो का आवागमन नही हैं। व्यापारिगण मात्र एस.ई.सी.एल. के कर्मचारियो एवं अधिकारियो के उपर ही निर्भर हैं। इसी से इनका जीविकाउपार्जन/भरण पोषण चल रहा हैं। मानविय दृष्टीकोण को ध्यान में रखते हुये पूर्व में दिये किरायानुसार ही किराया का भुगतान करना चाहते हैं। सभी व्यापारियो का वेण्डर कोड भी जारी किया गया हैं।

व्यापारिगणो के स्थिति/परिस्थितियो को ध्यान में रखते हुये, पूर्वानुसार ही दुकान का किराया लिया जाए।

विद्युत मंडल में बिजली कर्मचारी संघ करेगा आंदोलन

कोरबा। बिजली कर्मचारी संघ द्वारा अपनी मांगों को लेकर जन जागरण अभियान शुरू कर दिया है। 13 जनवरी को होने वाले आंदोलन के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार किया जा रहा है। यहां के कार्यकर्ता रायपुर में जाकर प्रदर्शन करेंगे। एचडीपीपी दर्री में अजय मिश्रा, केदार राठौर, हेतराम खूंटे सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने बिजली कार्यकर्ताओं को मांगों के संबंध में बताया। इसी तरह कोरबा पूर्व में नवरतन बरेठ, संदीप राठौर, सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने बिजली कर्मचारियों को आंदोलन के लिए तैयार रहने को कहा है। भारतीय मजदूर संघ के राधेश्याम जायसवाल व चंद्रशेखर दुबे द्वारा पूरे प्रदेश भर के बिजली कर्मचारियों को जागरूक करते हुए मांग पत्र के संबंध में बताया जा रहा है।

"कोरबा। निकाय चुनाव की तिथियां घोषित होने से पहले ही संभावित दावेदारों ने मतदाताओं की चरण वंदना शुरू कर दी है।

वार्ड प्रभारियों ने कार्यकर्ताओं की बैठक ली

कोरबा। दीपका नगर पालिका क्षेत्र में वार्डों का दायित्व अलग-अलग नेताओं को दिया गया है। सभी प्रभारी अपने वार्डों में बैठक ले रहे हैं। कांग्रेस के प्रदेश सचिव रंजनीश तिवारी ने बताया कि वार्ड में वे कार्यकर्ताओं की बैठक ले चुके हैं। आरक्षण होने के बाद वहां पर सूची बनाने का काम किया जा रहा है। दीपका ब्लाक अध्यक्ष दीलिप सिंह ने बताया कि उन्होंने भी वार्डों का दौरा शुरू कर दिया है और कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर सुझाव लिए गए। आने वाले दिनों में सभी वार्डों में बैठक ली जाएगी। इसी तरह अन्य वार्ड प्रभारी लगातार कार्यकर्ताओं की बैठक ले रहे हैं।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com